तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 144 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 23 फरवरी 2026 डाक 24 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से मेरठ के बीच चलने वाली नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया है।

देश-विदेश

एटीएस ने कोलकाता से 5 अफगानियों को किया गिरफ्तार, जबलपुर के पते पर बनवाए थे फर्जी पासपोर्ट

फीचर पेज

सहजन के फूलों से भी बनाए जा सकते हैं कई लजीज पकवान, जानिए आसान रेसिपी

यात्री बस के नदी में गिरने से 18 लोगों की मौत

कई घायल, विदेशी पर्यटक भी थे सवार

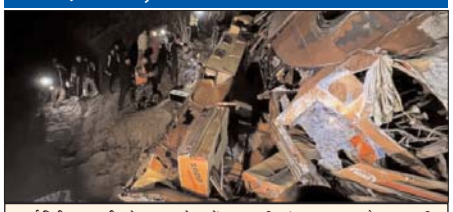

नई दिल्ली 23 फरवरी। सोमवार सुबह नेपाल में भीषण हादसा हो गया। पोखरा से काठमांडू जा रही एक बस के धादिंग में त्रिशूली नदी में गिरने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। बस सुबह करीब 1.15 बजे बेनीघाट रोरंग ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड 3 में चरौंडी के पास चिनाधारा में नदी में गिर गई। धादिंग के जिला ट्रैफिक पुलिस अफसर ने कहा कि मरने वालों की संख्या 18 हो गई है। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। इसके साथ ही कुल 27 यात्री घायल हुए हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस हादसे में 6 महिलाओं और 12 पुरुषों की मौत हो गई। कुल 27 घायल यात्रियों को बचाया गया, जिनमें आठ महिलाएं, अठारह पुरुष और एक नाबालिग लड़की शामिल हैं। इन्हें इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भेजा गया। बस पृथ्वी हाईवे पर जा रही थी, तभी रात करीब 1 बजे धाडिंग जिले के बेनीघाट रोरंग ग्रामीण नगर पालिका-5 में भैसेपाटी इलाके के पास वह सड़क से उतर गई। गाड़ी ढलान से करीब 300 मीटर नीचे गिर गई और नदी किनारे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। नेपाली आर्मी, आर्म्ड पुलिस फोर्स, नेपाल पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। अधिकारियों ने कहा कि रात की घटना की वजह से रेस्क्यू का काम मुश्किल हो गया है।

ममता बनर्जी के पूर्व सहयोगी मुकुल रॉय का निधन, 71 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

कोलकाता, 23 फरवरी [एजेंसी]।

देश के पूर्व रेल मंत्री और एक समय तृणमूल कांग्रेस के नंबर 2 नेता माने जाने वाले मुकुल रॉय का सोमवार को निधन हो गया। वे कोलकाता के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने 71 साल की उम्र में रात करीब 1.30 बजे अंतिम सांस ली। उनके बेटे सुभ्रांशु रॉय ने कहा, वह कई बीमारियों से पीड़ित थे। मुकुल रॉय पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जिसका गठन जनवरी 1998 में हुआ था। मुकुल रॉय का राजनीतिक कद एक वक्त इतना बड़ा था कि वे कभी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी थे। मुकुल रॉय ने बंगाल में यूथ कांग्रेस से अपने करियर की शुरुआत की थी।पश्चिम बंगाल में टीएमसी की स्थापना के बाद उन्होंने पार्टी में बनर्जी के साथ काम किया और उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। बाद में वे दिल्ली की राजनीति में टीएमसी का एक प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे। वे 2006 में राज्यसभा के लिए चुने गए और 2009 से 2012 तक राज्यसभा में पार्टी के नेता के रूप में कार्य किया।यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में उन्होंने जहाजरानी राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया, और मार्च 2012 में पार्टी के सहयोगी दिनेश त्रिवेदी की जगह रेल मंत्री का पदभार संभाला था। कभी 'बंगाल की राजनीति के चाणक्य' के रूप में जाने जाने वाले रॉय को तृणमूल कांग्रेस में नंबर दो माना जाता था और वे बंगाल और दिल्ली दोनों में पार्टी के लिए एक प्रभावशाली कार्यकर्ता थे। साल 2011 के बाद जब टीएमसी ने 34 साल के वामपंथी शासन का अंत किया और ममता बनर्जी बंगाल की मुख्यमंत्री बनीं, तब रॉय ने पार्टी को मजबूत करने में योगदान दिया। मुकुल रॉय 2015 तक पार्टी के महासचिव थे।

एआई समिट में भारत की क्षमता की दुनिया में तारीफ हुई, पीएम मोदी ने कहा- पूरी मानवता को फायदा होगा

नई दिल्ली 23 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि हाल ही में संपन्न एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में भारत की क्षमता की पूरी दुनिया ने दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह साबित करता है कि तकनीक के क्षेत्र में भारत के युवा प्रतिभाओं की सोच मानवता के लिए फायदेमंद साबित होगी। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का समापन एआई इम्पैक्ट पर नई दिल्ली घोषणा को अपनाने के साथ हुआ। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, दिल्ली में आयोजित ऐतिहासिक एआई समिट में पूरी दुनिया ने भारत की क्षमता की दिल खोलकर सराहना की। यह दर्शाता है कि तकनीक के क्षेत्र में हमारे युवा टैलेंट की सोच पूरी मानवता के लिए बहुत लाभकारी साबित होने वाली है। एआई समिट के नई दिल्ली डिक्लेरेशन को 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ है, जो आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एआई के उपयोग पर व्यापक वैश्विक सहमति को दर्शाता है।

नेशनल हाईवे पर आपस में भिड़ीं 10 गाड़ियां, एक की मौत और कई घायल

संगरूर 23 फरवरी। पंजाब के संगरूर में सोमवार सुबह घनी धुंध के कारण एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। जानकारी अनुसार सुबह बठिंडा-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर उभावाल-बड़रुखां के समीप धुंध के कारण लगभग 10 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। उभावल से बड़रखां जाते रास्ते पर हुए हादसे को देखने के लिए सड़क के दूसरी तरफ धीमी रफ्तार में हुए चार वाहन भी आपस में भिड़ गए। यानी हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की आपस में जबरदस्त टक्कर हुई। बताया जा रहा है कि अचानक घनी धुंध छा जाने से वाहन चालकों को आगे का रास्ता दिखाई नहीं दिया, जिसके चलते एक के बाद एक वाहन भिड़ते चले गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन भर लोग घायल हुए।

हादसे के बाद दो गाड़ियां सड़क किनारे खतानों में भी जा गिरी। सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स व पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं व राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत संगरूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जान से हाथ धो बैठोगे, ठाणे में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताकर बिल्डर से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

नईदिल्ली 23 फरवरी।

कुछ अज्ञात लोगों ने स्वयं को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताकर ठाणे के एक बिल्डर से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में 60 वर्षीय कारोबारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 11 फरवरी को जब वह एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश में थे, तब उन्हें कई वाट्सएप काल आए। बाद में कॉल उठाने पर उन्हें 10 करोड़ रुपये की रंगदारी देने के लिए कहा गया। ऐसा न करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। उसने स्वयं को बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया। 20 फरवरी को भी उनके पास अंतरराष्ट्रीय नंबर से चार वाट्सएप कॉल आए। जब उन्होंने जवाब नहीं दिया तो संदिग्ध ने दोपहर 12.29 बजे उनके मोबाइल पर एक ऑडियो क्लिप भेजा, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई थी। नौपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अभय चंद्रनाथ महाजन ने बताया कि कारोबारी की शिकायत, वाट्सएप कॉल और आडियो क्लिप के आधार पर 20 फरवरी को एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कोई झाड़ियों में छिपा तो कोई कैंपस के जंगल में, जेएनयू हिंसा में एबीवीपी के छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

नई दिल्ली। जेएनयू परिसर में एक बार फिर हिंसक झड़प की घटना सामने आई है, जिसने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए है। छात्रों का कहना है कि परिसर में लगातार बढ़ते विवाद, धरना-प्रदर्शन और टकराव से पढ़ाई प्रभावित हो रही है और गैर-राजनीतिक छात्रों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। ताजा मामला सोमवार देर रात छात्र संगठनों के बीच मारपीट से जुड़ा है, जिसके करीब 1.30 बजे शुरू होकर सुबह लगभग 3 बजे तक चलने की बात कही जा रही है। आरोप है कि इस दौरान वामपंथी छात्रों ने एबीवीपी छात्रों के साथ मारपीट की। इस दौरान छात्रों को जहां भी छुपने की जगह मिली छुप गए। आरोप है कि कई छात्रों को वामपंथी छात्रों ने ढूंढकर मारा। कई एबीवीपी छात्र अपनी जान बचाने के लिए झाड़ियों में छुपे, तो कई घने कैंपस के घने जंगल में। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े छात्रों का आरोप है कि वे केवल एक प्रदर्शन देखने पहुंचे थे, तभी एक समूह ने उन्हें घेरकर लात-घूंसों, बेल्ट और ईंट-पत्थरों से उन पर हमला कर दिया। कुछ छात्रों ने दावा किया कि हमलावरों के पास धारदार वस्तुएं भी थीं, जिससे अफरा-तफरी मच गई। मारपीट में कई छात्रों के घायल होने और कुछ की तबीयत बिगड़ने की भी सूचना है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई छात्र खुद को बचाने के लिए हॉस्टल और कैंपस के अलग-अलग हिस्सों में छिपते दिखाई दिए। घटना से जुड़े वीडियो में एक सुरक्षाकर्मी भी नजर आ रहा है। आरोप है कि लंबे समय तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रहने के बावजूद झड़प की रोकथाम के प्रभावी प्रयास नहीं हुए।

राजधानी में स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल आते ही मचा हड़कंप

नई दिल्ली 23 फरवरी। राजधानी दिल्ली के धौला कुआं में आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड पर एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को एक ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी भरे ई-मेल के प्राप्त होते ही स्कूल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए, स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया है और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गहन जांच की जा रही है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद दोनों स्कूलों के एडमिनिस्ट्रेशन ने सुबह अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, स्कूल प्रशासन को एक अज्ञात ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। ई-मेल मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर पूरे स्कूल परिसर को खाली कराया और चप्पे-चप्पे की तलाशी शुरू कर दी। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को बाहर निकाला गया है। जांच में अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। अधिकारी ने कहा, दो स्कूलों, आर्मी पब्लिक स्कूल, धौला कुआं और एयर फ़ोर्स बाल भारती स्कूल, लोधी रोड को ईमेल से बम की धमकी मिली थी।

एहतियात के तौर पर, जगह खाली करा ली गई और पूरी तरह से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने स्कूल के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए साइबर सेल की मदद ले रही है। फिलहाल, स्कूल परिसर में बम की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, सुरक्षा की दृष्टि से जांच पूरी होने तक स्कूलों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

ड्रग माफिया एल मेंचो के बाद मेक्सिको में त्राहिमाम

सुपरमार्केट, बैंक और कारें आग के हवाले, सड़कों पर बहा खून

नईदिल्ली 23 फरवरी [एजेंसी]।

कुख्यात ड्रग स्मगलर एल मेंचो की मौत के बाद मैक्सिको में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। कार्टेल ने बदले की कार्रवाई शुरू कर दी है। हाईवे बंद हो गए हैं, उड़ानें रोक दी गईं और लोग अपनी जान बचाकर भाग रहे हैं। बताया गया कि एल मेंचो के गैंग के लोगों ने कई राज्यों में गाड़ियों में आग लगाकर मुख्य सड़कों को ब्लॉक कर दिया और दुकानों में आग लगा दी। अधिकारियों के मुताबिक, यह हिंसा जलिस्को राज्य के टापलपा में मैक्सिकन स्पेशल फोर्स के एक हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन के बाद हुई, जिसे यूएस इंटेलिजेंस सपोर्ट से अंजाम दिया गया था। कुछ शहरों में अधिकारियों ने टूरिस्ट और लोगों से घर के अंदर रहने को कहा है। जबकि, ट्रक ड्राइवरों को सलाह दी गई कि वे खास रास्तों से बचें या हालात ठीक होने तक अपने डिपो पर लौट जाएं। वहीं, एयर कनाडा, यूनाइटेड एयरलाइंस और एरोमेक्सिको ने प्यूर्टो वालार्टा के लिए फ्लाइट्स कैंसिल कर दीं। मेक्सिको की ड्रग कार्टेल के खिलाफ दो दशकों की इस लड़ाई में आधे दर्जन से ज्यादा राज्यों में हिंसा फैल गई है।

इसके अलावा, सिक्योरिटी सोर्स की ओर से शेयर किए गए वीडियो में अगुआस्केलिएंटेस के एक रिहायशी इलाके में एक मिलिट्री टैंक को घुसते हुए, बिजी मेक्सिको-प्यूब्ला हाईवे पर रोडब्लॉक और कोलिमा में पिकअप ट्रक में हथियारबंद लोगों को ट्रैफिक रोकते हुए दिखाया गया। ग्वाडलहारा में रहने वाले कार्लो गुटिरेज ने कहा कि व्हाट्सएप ग्रुप्स में घर के अंदर रहने की चेतावनी दी जा रही थी।

उन्होंने बताया, डर है और बहुत सावधानी बरती जा रही है। सीजेएनजी के एक सदस्य ने रॉयटर्स को बताया कि जलिस्को के टापालपा में रविवार को हुए मिलिट्री रेड में ओसेगुएरा की हत्या का बदला लेने के लिए आग और गोलीबारी की गई। साथ ही चेतावनी दी कि जैसे-जैसे ग्रुप कार्टेल पर कंट्रोल करने की कोशिश की जाएगी, ये अशांति और बढ़ सकती है। मेक्सिको में एल मेंचो की मौत के बाद देशभर में त्राहिमाम मचा हुआ है। कार्टल ने सुपरमार्केट, गाड़ियों और छोटे छोटे दुकानों में आग लगा दिया है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर, रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक, बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

उत्तर कोरिया की राजनीति में अटकलों पर लगा विराम, बेटी नहीं, किम को ही मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

प्योंगयांग, 23 फरवरी [एजेंसी]।

उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की कांग्रेस में किम जोंग उन को दोबारा पार्टी का जनरल सेक्रेटरी चुन लिया गया है। इस फैसले के साथ ही हाल के महीनों में चल रही उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें उनके बाद उत्तराधिकार को लेकर चर्चा हो रही थी। माना जा रहा था कि इस बार उनकी बेटी को जनरल सेक्रेटरी चुना जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राज्य मीडिया के अनुसार हजारों प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से किम के नेतृत्व पर भरोसा जताया।

पार्टी कांग्रेस पिछले गुरुवार से चल रही थी और चौथे दिन यह निर्णय लिया गया। पार्टी ने कहा कि किम के नेतृत्व में देश ने अपनी परमाणु क्षमता को मजबूत किया है और किसी भी बाहरी खतरे का सामना करने की ताकत हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले पांच वर्षों में सैन्य और राजनीतिक लक्ष्यों को और आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी परमाणु और मिसाइल नीति को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे मिसाइल विकसित कर चुका है जो एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों और अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकते हैं। पार्टी ने दावा किया कि परमाणु ताकत ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ाया है। हाल के वर्षों में रूस के साथ उत्तर कोरिया के रिश्ते मजबूत हुए हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान सैन्य सहयोग ने प्योंगयांग की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को और आक्रामक बनाया है। विश्लेषकों का कहना है कि किम पारंपरिक सेना को भी मजबूत करने और उसे परमाणु क्षमता के साथ जोड़ने की नई योजना पेश कर सकते हैं। 2019 में किम और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच शिखर वार्ता विफल होने के बाद से दोनों देशों के बीच कोई सार्थक वार्ता नहीं हुई है।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भी उत्तर कोरिया ने परमाणु निरस्त्रीकरण की शर्त पर बातचीत से इनकार किया है। 2024 में किम ने दक्षिण कोरिया को स्थायी दुश्मन घोषित कर दिया था, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ गया। राज्य समाचार एजेंसी ने बताया कि कांग्रेस में पार्टी नियमों में संशोधन भी किया गया है, हालांकि विवरण साझा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि इन बदलावों के जरिए किम अपने सख्त रुख को और संस्थागत रूप दे सकते हैं। 2016 से हर पांच साल में कांग्रेस आयोजित की जा रही है और किम लगातार शीर्ष पद पर बने हुए हैं।

सांसद ज्योत्सना महंत ने बाल विवाह मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत एक्सेस टू जस्टिस जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन अलायन्स हार्ड संस्था द्वारा 21 फरवरी को कोरबा लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के द्वारा बाल विवाह मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस रथ का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह मुक्त कोरबा बनाना है। बाल विवाह मुक्ति रथ प्रचार-प्रसार के माध्यम से अपने जिले में कोई भी बाल विवाह ना हो इसको लेकर उन्होंने अपना सहयोग एवं सहमति प्रदान की। उसके बाद बाल विवाह मुक्त रथ को भ्रमण हेतु माँ सर्वमंगला मंदिर ले जाया गया, वहां के पुजारी द्वारा विधि-पूर्वक रथ की पूजा अर्चना कर उसे कोरबा जिले के अन्य ग्राम पंचायत के लिए रवाना किया गया। जिसमें बालको, जामबाहर, भटगांव, चुहिया, दोन्द्रों बेला, अजगर बहार, सतरेंगा तथा अन्य ग्राम पर भ्रमण कराया गया। इन ग्रामों में भ्रमण के दौरान लोगों को एकत्रित कर बाल विवाह विवाह अधिनियम 2006 की जानकारी दे बाल विवाह को रोकने की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम के मार्ग मार्गदर्शन एवं समन्वयक हार्ड संस्था के डायरेक्टर सुशील शर्मा रहे। जिला कोरबा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की टीम का इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे विशेष योगदान रहा।

केंद्रीय अध्ययन मंडल में जिले के भी युवा प्राध्यापक शामिल

कोरबा । केंद्रीय अध्ययन मंडल में कोरबा जिले के भी युवा प्राध्यापकों को शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 34-क के अंतर्गत मंडल के गठन की यह व्यवस्था की गई है। इसके तहत विभिन्न संकाय में विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति की गई है। आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ की सिफारिश के आधार पर विषयवार विषय विशेषज्ञों को मनोनीत किया गया है। इनमें कला संकाय अंतर्गत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय में कमला नेहरु महाविद्यालय कोरबा के सहायक प्राध्यापक रामकुमार श्रीवास एवं मनीष कुमार पटेल शामिल हैं। इसी तरह सामाजिक विज्ञान संकाय अंतर्गत अर्थशास्त्र विषय में शासकीय मुकुटधर पांडे महाविद्यालय कटघोरा के प्राचार्य डॉ. मदनमोहन जोशी, सामाजिक विज्ञान संकाय अंतर्गत मनोविज्ञान में शासकीय ईवीपीजी कॉलेज कोरबा की डॉ. अवंतिका कौशिल, समाजशास्त्र विषय से शासकीय मुकुटधर पांडे महाविद्यालय कटघोरा के डॉ. अरुण कुमार सिन्हा, विज्ञान संकाय अंतर्गत गणित विषय में श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. सुलेखा शुक्ला, जीवविज्ञान संकाय अंतर्गत वनस्पतिशास्त्र विषय में शासकीय ईवीपीजी कॉलेज कोरबा में वनस्पतिशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. संदीप शुक्ला, प्राणीशास्त्र विषय में ईवीपीजी कोरबा के ही सहायक प्राध्यापक बलराम कुर्रे, गृहविज्ञान विषय में शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. मोनिका मिंज एवं विधि संकाय अंतर्गत विधि विषय में ईवीपीजी कॉलेज की सहायक प्राध्यापक डॉ. अनुपमा पटेल को मनोनीत किया गया है।

कोयला लोड भारी वाहन में लगी आग-इलाके में मची अफरा-तफरी

कोरबा । कोरबा अंचल के अशोक वाटिका स्टेडियम रोड पर रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे खड़ी एक गाड़ी में लदे कोयले में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते गाड़ी से धुएं का गुबार उठने लगा और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार उक्त गाड़ी कई घंटों से स्टेडियम रोड के किनारे खड़ी थी। शुरुआत में किसी ने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन अचानक कोयले के ढेर से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते धुआं घना होता गया और कुछ ही मिनटों में आग की लपटें उठने लगीं। आग भड़कने से वहां मौजूद राहगीरों और दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा हैं कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो पास से गुजर रहे वाहनों और आसपास की दुकानों को भारी नुकसान हो सकता था। क्षेत्र में यातायात भी कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। लोगों ने आशंका जताई कि कोयले में भीतर ही भीतर सुलगन होने के कारण आग भड़की हो सकती है, हालांकि अधिकृत तौर पर आग लगने के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है।

घटना घटित होने पश्चात मौके पर प्रशासन या संबंधित विभाग का कोई अधिकारी मौजूद नहीं था, जिससे स्थानीय नागरिकों में नाराजगी देखी गई। लोगों ने सवाल उठाया कि सड़क किनारे कई घंटों से खड़ी कोयले से लदी गाड़ी की निगरानी क्यों नहीं की गई और क्या यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही थी।

फिलहाल आग पर काबू पाया गया अब स्थिति सामान्य बताई जा रही है। प्रशासन की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है। घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर खड़े भारी वाहनों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्री राधाकृष्ण मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह 26 फरवरी को,भंडारा भी आयोजित

कोरबा । कोरबा अंचल निहारिका क्षेत्र अंतर्गत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर, कोरबा में श्री राधाकृष्ण मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक कार्यक्रम 23 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक विभिन्न अनुष्ठानों के साथ संपन्न होगा।

आयोजकों के अनुसार 23 फरवरी सोमवार को शाम 4 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 24 फरवरी प्रातः 8:30 बजे पूजा प्रारंभ होगी। 25 फरवरी बुधवार को सुबह 8:30 बजे हवन-पूजन आयोजित किया जाएगा, जबकि 26 फरवरी गुरुवार को प्रातः 11:30 बजे मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। समारोह के समापन अवसर पर 26 फरवरी गुरुवार को दोपहर 2 बजे से विशाल भोग भंडारा का आयोजन रखा गया है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं से शामिल होने अपील की गई है। यह कार्यक्रम राधाकृष्ण सेवा समिति एवं समस्त डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगरवासियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

हिरण पर स्वान के झुंड ने किया हमला

कोरबा। राष्ट्रीय राजमार्ग बनने के बाद नगर पंचायत पाली के आसपास हिरण-चीतल की आमद कम हुई है, लेकिन आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी हिरण बड़ी संख्या में दिख जाते हैं। इसी कड़ी में पाली के निकट ग्राम दमिया में चारे और पानी की तलाश में गांव के निकट पहुंचे एक हिरण को स्वान के झुंड ने घेर कर हमला कर दिया। ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी। तब उन्होंने किसी तरह हिरण को स्वानो के चंगुल से बचाया। बुरी तरह से घायल हो चुके हिरण को सुरक्षित कर वन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम ने हिरण का पशु चिकित्सालय में उपचार कराया।

कार्यशालाः ग्रामीणों को जंगल में आग पर काबू पाने उपाय बताए

कोरबा कटघोरा वनमंडल के वनपरिक्षेत्र पसरोत के ग्राम कोलगा देवगुड़ी चौरा में जन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ वन प्रबंधन समिति कोलगा के अध्यक्ष नंदलाल राठिया ने किया।

कार्यशाला में जंगल में लगने वाली आग पर काबू पाने के उपाय बताए गए। इसके साथ ही वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया। कार्यशाला में विलुप्त प्रजातियों व वनौषधि के संबंध में ग्रामीणों को जानकारी दी गई। वन्य प्राणी व्यवहार व मानवीय समझ के विषय में जागरूक करने ग्रामीणों को रोचक कहानियां सुनाई गईं। समाज प्रमुख टिकेश्वर सिंह राठिया, जनपद सदस्य महेन्द्र राठिया, कोलगा के सरपंच संतराम राठिया, सरपंच प्रतिनिधि चमरा सिंह कंवर, सरपंच किशन सिंह राठिया, नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक एम सूरज, जितेन्द्र सारथी ने भी ग्रामीणों को जागरूक किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वन परिक्षेत्र पसरखेत के सरोताराम बंजारे, अशोक कुमार यादव, दीपक कुमार कुजूर, परमेश्वर बंजारे, उपेन्द्र कुमार चौहान, विनय रंजन समेत अन्य का सहयोग रहा।

रोजगार गारंटी स्कीम को खत्म करने के विरोध में कलेक्ट्रेट घेराव कल

कोरबा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वय मनोज चौहान एवं मुकेश राठौर ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि मनरेगा में सुधार के नाम पर केन्द्र सरकार ने रोजगार गारंटी स्कीम को खत्म करने का जो काम किया है, जिसके विरोध में 24 फरवरी 2026, मंगलवार को प्रातः 11 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जावेगा, साथ ही धान खरीदी एवं स्क्रमें व्याप्त अनियमितता को लेकर भी विरोध प्रदर्शन किया जावेगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वय ने जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, मण्डल कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, पार्षद, पूर्व पार्षद, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अजा वर्ग प्रकोष्ठ, अजजा प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक वर्ग प्रकोष्ठ सहित कांग्रेस संगठन के समस्त मोर्चा, विभाग, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं वार्ड और बूथ कमेटी के सभी पदाधिकारी सदस्यगणों को समय पर उपस्थित होने आग्रह किया है।

साऊंड सिस्टम के उपयोग पर 31 मार्च तक लगी रोक

कोरबा। जिला दंडाधिकारी कलेक्टर कुणाल दुदावत ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर की ओर से जारी हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा कार्यक्रम व शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा 20 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक होगी। इसके मद्देनजर परीक्षाओं के सुचारू संचालन और छात्रों की परीक्षाओं की तैयारी में व्यवधान को रोकने छात्रों के हित में छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 18 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 31 मार्च तक साऊंड सिस्टम के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है।

बसंत और फाल्गुन विशेष काव्य गोष्ठी में कवियों ने सुनाई रचनाएं

कोरबा । उद्गार साहित्य समिति न बसंत ऋतु एवं फाल्गुन विशेष काव्य गोष्ठी का आयोजन सेमीपाली में किया। कवि राधेश्याम साहू के निवास पर आयोजित इस गोष्ठी में कवियों ने अपनी अपनी रचनाओं से लोगों को फाल्गुनी में रंग में रंगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के संरक्षक एमआर राव ने की।

गोष्ठी में मुकुटधर साहित्य समिति कोरबा के सचिव डॉ.केके चंद्रा उपस्थित रहे। मां शारदे की वंदना के साथ गोष्ठी शुरु हुई। कवि जितेन्द्र वर्मा ने दे अइसन वरदान मां शारदे वंदना गीत की प्रस्तुति दी। राधेश्याम साहू ने सभी कवियों का गुलाब भेंटकर स्वागत किया। उपस्थित कवियों ने गोष्ठी में विविध विधाओं की मनभावन गीत, मुक्तक, कविताएं व गजल सुनाए। मनीष मुसाफिर ने आसमां हो या फिर हो जमी राधिके गजल सुनाई, राधेश्याम ने मुक्तक में कहा अब तुम्हें हम नहीं बुलाएंगे। डॉ. कृष्णकुमार चन्द्रा ने भावपूर्ण पंक्तियां ऐसे बरसेंगे हम, भींग जाओगे तुम। वर्मा ने गजल में फागुन आगे जाग रे संगी सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। फिरोजा खान ने गजल और कविता प्रस्तुत की, कविता जैन ने गजल और मुक्तक दोनों विधाओं में अपनी रचनाएं सुनाईं। कोरल वर्मा ने नवगीत और मुक्तक प्रस्तुत किया। एमआर राव ने नवगीत में कहा इस बार बसंत आया नहीं, मंगवाया गया है। नवल कुमार जोशी ने हास्य-व्यंग्य में ये जो पत्नी है... शीर्षक से हास्यरस में प्रस्तुति दी और शिशिर कुमार तिवारी ने हास्य कविता में होली का रंग बिखेरा। कविता जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया और अपनी फाल्गुनी पंक्तियों के माध्यम से कवियों को काव्य पाठ हेतु आमंत्रित किया।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड की बड़ी तैयारी सभी कनेक्शन होंगे प्री-पेड

कोरबा। छत्तीसगढ़ में बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ा बदलाव होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जिले में स्मार्ट मीटरिंग को तेज़ी से लागू कर रही है। अब तक लगभग 65 प्रतिशत बिजली कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जबकि करीब 35 प्रतिशत कनेक्शन अभी शेष हैं। सूत्रों के अनुसार कंपनी अप्रैल माह से स्मार्ट मीटर वाले सभी कनेक्शनों को प्री-पेड प्रणाली में बदलने की तैयारी कर रही है।नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को अपनी औसत खपत के आधार पर पहले ही राशि जमा करनी होगी। यानी अब पोस्ट-पेड की तरह बाद में बिल भरने की सुविधा खत्म हो जाएगी।5 हजार से ज्यादा बकाया पर तुरंत कटेगा कनेक्शनफिलहाल जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, यदि उनका बकाया 5 हजार रुपये से अधिक हो जाता है तो एक क्लिक में बिजली कनेक्शन काटा जा रहा है। प्री-पेड सिस्टम लागू होने के बाद बकाया बनने की स्थिति ही नहीं रहेगी, क्योंकि बिना रिचार्ज बिजली उपलब्ध नहीं होगी।हालांकि आपात स्थिति को देखते हुए स्मार्ट मीटर में पुश बटन सुविधा दी गई है। इसके तहत उपभोक्ता एक बार बटन दबाकर पांच दिनों के लिए अस्थायी रूप से बिजली बहाल कर सकते हैं, जिसे भुगतान के बाद रीसेट कर दिया जाएगा।स्मार्ट मीटर से इनकार करने वालों को नोटिसस्मार्ट मीटर लगवाने से मना करने वाले उपभोक्ताओं को कंपनी की ओर से नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्हें सप्ताह भर की मोहलत दी जा रही है, इसके बाद सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।सरकारी विभागों पर भी सख्तीजानकारी के मुताबिक कई सरकारी विभागों पर करोड़ों रुपये का बिजली बकाया है। कंपनी अब इन पर भी सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

जल कुंभी से पटा भदरापारा का तालाब निस्तारी में लोगों को हो रही परेशानी

कोरबा । बालको नगर के वार्ड क्रमांक 39 भदरापारा के साडा कॉलोनी व वार्ड क्रमांक 41 भदरापारा स्थित तालाब में जलकुंभी के चलते अपना अस्तित्व खोते जा रहे हैं। तालाब का पानी नजर ही नहीं आ रहा है, जलकुंभी के चलते तालाब घास व कचरे का मैदान नजर आने लगे हैं।हर वर्ष तालाब न सिर्फ सिकुड़ रहा है।तालाब में गंदे पानी के नए स्त्रोत भी छोड़े जा रहे हैं। तालाब में प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य कचरा इतनी मात्रा में फेंका जा रहा है कि पूरे तालाब में जलकुंभी के कारण हरी चादर दिखाई देती है। यहां का पानी वर्तमान में इतना गंदा हो गया है कि तालाब का पानी दुर्गंध दे रहा है। बताया जा रहा हैं की इन बड़े तालाब में पहले पानी लबालब भरा था पर जलकुंभी की अधिकता और लोगों द्वारा कूड़ा-कचरा इसमें फेंकने से इसका पानी गन्दा होता गया। जिम्मेदारों द्वारा भी तालाबों की साफ-सफाई के लिए कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा है, सालभर से तालाब की सफाई कराने ध्यान नहीं दिया जा रहा है।तालाब का पानी निस्तारी के लायक नहीं रहा। तालाब का पानी गंदा होने से नहाने पर खुजली होती है। क्षेत्र के लोगों ने तो अब तालाब में नहाना ही छोड़ दिया है। इसके बावजूद तालाब की सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। साथ ही तालाब से लगें हुए बस्तीयों के बाथरुम के पानी के निकासी को लोगों द्वारा तालाब में ही डाला जा रहा है व घर के गंदगी-कचरा को भी तालाब के पास ही फेंक देते हैं इसके चलते भी पानी दूषित होता है जिन पर नगर निगम द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया जाता। लोगो का कहना हैं की नगर निगम प्रशासन को गर्मी के दिनों में सभी तालाबों में विशेष सफाई अभियान चलाना चाहिए, ताकि बरसात के दिनों में तालाब की स्थिति सही रहे।

ब्लास्टिंग उपकरणों को डीजीएमएस से अप्रूवल की सिफारिश

कोरबा। एसईसीएल कुसमुंडा के ऊर्जा क्लब में कोयला खदानों में इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर के सुरक्षित उपयोग विषय पर कार्यशाला में ब्लास्टिंग सिस्टम के उपकरणों को डीजीएमएस से अप्रुवल की सिफारिश की गई। खान प्रबंधन, ब्लास्टिंग विशेषज्ञों, सुरक्षा अधिकारियों व निर्माताओं के बीच सुरक्षित ब्लास्टिंग पद्धतियों, खदानों के संचालन की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा हुई। वहीं इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेशन प्रणालियों में तकनीकी उपयोग को बढ़ावा देने, सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने पर जोर दिया।

सिविल जज के लिए एंजेल का चयन

कोरबा। कोरबा की बेटी एंजेल सिंह का चयन सिविल जज के पद पर हुआ है। न्यायिक सेवा के क्षेत्र में स्थान प्राप्त करने वाली एंजेल सिंह कोरबा जिले के वरिष्ठ पत्रकार रवि पी. सिंह एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला बालको की सेवानिवृत्त प्राचार्या श्रीमती रत्नप्रभा सिंह निवासी दुरपा रोड, कोरबा की पुत्री हैं। इस सफलता पर एंजेल सिंह व उनके परिजनों को बधाईयां मिल रही हैं।छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने शनिवार को व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) परीक्षा 2024 का अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया। 57 पदों के लिए आयोग ने 183 उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के आधार पर अंतिम चयन सूची में टॉप टू प्लेस पर महिलाओं ने बाजी मारी है। अंजुम आरा पहले स्थान पर हैं जबकि शिवांगी तिवारी दूसरे और आयुष चौरसिया तीसरे स्थान पर हैं। आयोग ने मुख्य सूची के साथ अनुपूरक सूची भी सार्वजनिक कर दी है, ताकि भविष्य में रिक्तियों की स्थिति में उसका उपयोग किया जा सके। बता दें कि यह भर्ती प्रक्रिया शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग के तहत कुल 57 पदों पर नियुक्ति के लिए आयोजित की गई थी। चयन प्रक्रिया बहु स्तरीय थी। मुख्य परीक्षा का आयोजन 21 दिसंबर 2025 को किया गया था, जिसका परिणाम 22 जनवरी को घोषित किया गया। 183 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 10 से 20 फरवरी के बीच आयोजित किए गए। आयोग ने स्पष्ट किया है कि साक्षात्कार प्रक्रिया के दौरान कोई भी उम्मीदवार अनुपस्थित या अयोग्य नहीं पाया गया।इनको मिली सफलताअंजुम आरा, शिवांगी तिवारी, आयुष चौरसिया, अगन कुमार डहाके, एकांश अग्रवाल, शुभम नामदेव, आर्यमान सिंह रघुवंशी, कार्तिकी अवंतिका, अपेक्षा सिंघई, शक्ति चतुर्वेदी, सिमरप्रीत सलूजा, दीपांशी जैन, कुसुमांजलि सिन्हा, अंकित नंदे, हिमालय रवि, रौशन कुमार पाठक, तृप्ति अग्रवाल, प्रतीक कांत, अभिनव अग्रवाल, हृशिता अग्रवाल, दुर्गेश नंदिनी मरावी, शुभम राठौर, सृष्टि सोनकला, नागेंद्र सिंह, लीजा पाल, प्रज्ञा वैष्णव, श्रेया औरमलिया, दीपक कुमार चंद्राकर, यशवंत देवांगन, ऋचा रेनी तिग्गा, समृद्धि जोशी, सौरभ कुमार तरार, राशि कांकरवाल, ज्योति शर्मा, अंजू पठारे, सीमा तांडे, राहुल कुमार निराला, दीक्षा किंडो, प्रिया सोमावार, कोमल कृति उरांव, आकांशा खेस्स पन्ना, मेघा पलेशवर, शिवानी डहरिया, तेशांक ध्रुव, प्रथमेंद्र हिडको, दीपल अजगले, हेमंत प्रसाद, रितु नेताम, यश मौर्य, अपूर्वा मरकाम, करन शाह खुशरो, स्वाति पैंकरा, एडविना एक्का, एंजेल सिंह और चंद्र भूषण पासवान सहित अन्य अभ्यर्थी शामिल हैं।

बेहतर नागरिक बनाने का माध्यम है स्काउटिंग

कोरबा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरबा द्वारा अवर फ्रेंडशीप डे थीम के अनुरूप वर्ल्ड थिंकिंग डे और स्काउट आंदोलन के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल व लेडी बेडेन पावेल का जन्मदिवस मनाया गया।जिला स्तर के अलावा विद्यालयों में भी आयोजन हुए। शहर के कृष्णानगर स्थित सनराइज इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त (स्काउट) टीपी उपाध्याय रहे। वर्ल्ड थिंकिंग डे के सौ वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।स्काउट आंदोलन के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल और लेडी बेडेन पावेल के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ समारोह की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि डीईओ उपाध्याय ने लार्ड बेडेन पावेल को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित स्काउट आंदोलन आज एक वैश्विक स्तर पर युवाओं को अच्छा और उपयोगी नागरिक बनाने का काम कर रहा है। उपाध्याय ने कहा कि निजी स्वार्थ को परे रख विश्व बंधुत्व की भावना को और प्रगाढ़ करने की आवश्यकता है। डीईओ ने युवाओं से आपसी मित्रता बनाए रखते हुए सामाजिक एकता और समरसता को बढ़ाने पर जोर दिया।इसके पूर्व गाइड याशिका साहू, दीप्ति पटेल, सीनियर रेंजर पलक पटेल ने लार्ड बेडेन पावेल एवं लेडी बेडेन पावेल और वर्ल्ड थिंकिंग-डे पर प्रकाश डाला। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद सादिक शेख ने स्काउट आंदोलन और वर्ल्ड थिंकिंग डे को लेकर अपनी बात रखी। समारोह के दौरान कब, बुलबुल, स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स और लीडर्स को विभिन्न गतिविधियों के प्रमाण-पत्रों का वितरण किया।

संविदा भर्ती होगी, आवेदन 27 तक

कोरबा। सीएमएचओ कार्यालय कोरबा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न खाली संविदा पदों पर भर्ती करेगी। इसके लिए पात्र अभ्यर्थियों से 27 फरवरी शाम 5.30 बजे तक आवेदन मंगाया है।

यहां पर चल रहा जुआ का अवैध कारोबार

कोरबा-पाली। !पाली थाना क्षेत्र में जुआ का कारोबार धड़ल्ले से बेखौफ चल रहा है !बताया जा रहा है कि पोड़ी व लाफा क्षेत्र में संचालित जुए के अड्डो पर क्षेत्र सहित बाहर के जुआरी भी पहुँचते है ,जहां हजारो -लाखों रुपए हार जीत में लगाए जाते है !इस खेल में कई मालामाल हो जाते है तो कई के घर मे कलह की वजह बनती है !ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पोड़ी के सलिहाभांठा जंगल एवं लाफा के आसपास क्षेत्र में प्रतिदिन जगह बदल -बदलकर जुआ खेलवाया जाता है ,जिसमे दादर ,नगोई ,लोहड़िया ,शंकरनार शामिल है !जिन स्थानों पर जुआरियों की महफ़िल सजती है !इस ताश पत्तों के खेल में अपराधी प्रवृत्ति के लोग भी शामिल होते है !जिससे किसी अपराध की आशंका बनी रहती है !पोड़ी क्षेत्र में सुबह 10 बजे से देर शाम तक तो लाफा क्षेत्र में रात -दिन यह खेल संचालित होता है !जहां टू -व्हीलर और फोर -व्हीलर से बड़ी संख्या में जुआरी पहुँचते है !इस जुए के संचालकों ने अपने -अपने क्षेत्र के चौंक -चौराहों पर अपने लोगों को तैनात रखते है ताकि खेल में किसी रुकावट की हलचल की जानकारी उन्हें तुरंत मिल सके !ग्रामीणों ने बताया कि जुए संचालन और संचालनकर्ता की मौखिक जानकारी पुलिस को दी गई है मगर पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई अबतक नही की गई है !वहीं जुआरियों का विरोध करने पर संचालक से बात कीजिये ,हमे क्यो परेशान कर रहे हो ,संचालक बिना पैसा दिए जुआ अड्डा चालू किया है क्या ?कहा जाता है !ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इन जुआ अड्डों पर त्वरित कार्रवाई की जाये, ताकि क्षेत्र में अराजकता व किसी अपराध की संभावना को रोका जा सके और ग्रामीण क्षेत्रो में भयमुक्त माहौल कायम रहे।

मादक द्रव्य पदार्थ का सेवन करने हेतु तीन मित्रो ने चुराया वाहन-जेल दाखिल

कोरबा । कोरबा जिले में मानिकपुर चौकी पुलिस क्षेत्र अंतर्गत पोखरी पारा गायत्री नगर बस्ती क्षेत्र में मादक द्रव्य पदार्थ का सेवन की लत पूरी करने के लिए तीन मित्रो ने एक वाहन चुरा लिया। मानिकपुर चौकी पुलिस ने तीनों कथित आरोपियों को वाहन सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पोखरी पारा गायत्री नगर बस्ती निवासी टीपी नगर क्षेत्र गए थे। वापस आने पर उन्होंने अपना वाहन घर के बाहर खड़ी कर दी और भोजन करने अंदर चले गए। थोड़ी देर बाद जब वे बाहर आए, तो वाहन अपनी जगह पर नहीं था। आसपास पूछताछ और वाहन की तलाश की गयी, लेकिन जब वाहन नहीं मिला, तो उन्होंने मानिकपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद मानिकपुर चौकी पुलिस ने कथित आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बस्ती में ही रहने वाले तीन युवक चोरी की वाहन पर सवार होकर घूम रहे हैं। पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए तीनों युवकों को उसी क्षेत्र से पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने वाहन चोरी करने की बात कबूल कर ली। गिरफ्तार किए गए कथित आरोपी मादक द्रव्य पदार्थ सेवन की अपनी लत को पूरा करने के लिए इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था। वे चोरी किए गए वाहन को बेचकर पार्टी करने की फिराक में थे।मानिकपुर चौकी प्रभारी परमेश्वर राठौर ने बताया कि पंचराम यादव की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की थी। कथित आरोपियों को चोरी की वाहन पर घूमते हुए पकड़ा गया। उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करते हुए तीनों को जेल भेज दिया गया है और चोरी किया गया वाहन जब्त कर लिया गया है।

बदला लेने घर में घुसकर की मारपीट, 4 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। कोटमीसोनार थाना पुलिस ने गंभीर मारपीट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। प्रकरण में एक नाबालिग की संलिप्तता भी पाई गई है।

घटना 8 फरवरी की रात करीब 9.30 बजे की है। आरोपियों ने शुभम यादव निवासी स्कूल पारा कोटमीसोनार के घर में घुसकर रंजिश के चलते मारपीट की। गाली-गलौज भी किया। बीच-बचाव के लिए पहुंची पीड़ित की मां के साथ भी मारपीट की गई। सूचना पर थाना अकलतरा में मामला दर्ज किया गया।

पूर्व पार्षद व अल्पसंख्यक जिला मंत्री ने भाजपा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

बलौदा । नगर पंचायत बलौदा की स्थानीय राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब वार्ड क्रमांक 4 के पूर्व पार्षद एवं एल्डरमैन रफीक कुरैशी तथा वार्ड क्रमांक 14 के अल्पसंख्यक जिला मंत्री डा. अब्दुल अजीज ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। दोनों नेताओं ने पार्टी नेतृत्व को लिखित त्यागपत्र सौंपते हुए संगठनात्मक कार्यप्रणाली और हालिया घटनाक्रम पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। अपने इस्तीफे में उन्होंने उल्लेख किया कि वे लंबे समय से पार्टी की विचारधारा, नीतियों और अनुशासन का पालन करते हुए सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। हाल ही में एसआईआर से संबंधित एक ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की गई थी। इसके बाद हुए घटनाक्रम से वे मानसिक रूप से आहत हुए है।

दोनों पदाधिकारियों का यह है कहना कि जिन पदाधिकारियों के साथ उन्होंने निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया, उन्हीं की ओर से उनके लोकतांत्रिक अधिकारों पर आपत्ति दर्ज कराई गई, जो न केवल व्यक्तिगत अपमान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी चिंताजनक संकेत है। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान उनके और उनके परिवार के सदस्यों के नाम विलोपित कराने के लिए आपत्तियां दर्ज कराई गई।

संगठन के भीतर असंतोष का संकेत

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर यह इस्तीफा संगठन के भीतर असंतोष का संकेत हो सकता है। हालांकि, पार्टी की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। आने वाले समय में यह देखना होगा कि यह घटनाक्रम स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को किस प्रकार प्रभावित करता है।

सक्ती के वार्षिक संत समागम समारोह में सम्मिलित हुए महामंडलेश्वर

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास सदगुरु कबीर सेवा निकेतन सक्ती में आयोजित वार्षिक संत समागम समारोह के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित हुए। यह कार्यक्रम 22 फरवरी से 24 फरवरी तक आयोजित है। यहां पहुंचने पर आश्रम के सभी संत महात्माओं ने श्रद्धा भक्ति पूर्वक उनकी अगवानी की। कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों के स्वागत के पश्चात उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए राजेश्री महन्त ने कहा कि कबीर साहेब ने किसी स्कूल या महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण नहीं किया यहां तक कि वे साक्षर भी नहीं थे किंतु उनकी वाणी में इतनी आध्यात्मिकता है कि संसार के सर्वाधिक पढ़े-लिखे लोग भी उस पर शोध कर रहे हैं। वस्तुतः ज्ञान परमात्मा की देन होती है*। कबीर साहेब ने स्वयं लिखा है कि मसि कागद छुओ नहीं, कलम गही नहिं हाथ। चार जुगों की वार्ता।

मुख ही जनाई बात।। वे जगतगुरु श्री स्वामी रामानंदाचार्य जी महाराज की शिष्य परंपरा से थे इस बात का उल्लेख उन्होंने स्वयं ही किया है हम कासी में प्रकट भये हैं। रामानंद चेताये।अर्थात काशी में इनका जन्म हुआ और इन्होंने श्री स्वामी रामानंदाचार्य जी महाराज से ज्ञान की प्राप्ति की उन्हें अपना गुरु माना ! कार्यक्रम में पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा, कबीर आश्रम खरसिया से महेश्वर साहेब, सक्ती आश्रम के महंत एवं कार्यक्रम के आयोजक कबीर शरण साहेब सहित अन्य स्थानों से आए हुए संत महात्मा एवं श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित थे। यह कार्यक्रम 24 फरवरी तक आयोजित है।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत दलहन-तिलहन खरीदी हेतु 28 फरवरी तक करा सकते हैं पंजीयन

जांजगीर-चांपा। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 एवं रबी विपणन वर्ष 2026-27 में दलहन एवं तिलहन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन हेतु पंजीयन की तिथि 28 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अरहर (?8000 प्रति क्विंटल), मूंग (?8768 प्रति क्विंटल), उड़द (?7800 प्रति क्विंटल), मूंगफली (?7263 प्रति क्विंटल) एवं सोयाबीन (?5328 प्रति क्विंटल) को अधिसूचित किया गया है। अरहर की उपार्जन अवधि 15 मई 2026 तक रहेगी, वहीं मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन की संशोधित उपार्जन अवधि 24 अप्रैल 2026 तक निर्धारित है। वहीं रबी विपणन वर्ष 2026-27 में चना (?5875 प्रति क्विंटल), मसूर (?7000 प्रति क्विंटल) एवं सरसों (?6200 प्रति क्विंटल) की खरीदी की जाएगी। चना एवं मसूर की उपार्जन अवधि 1 मार्च 2026 से 30 मई 2026 तक तथा सरसों की 15 फरवरी 2026 से 15 मई 2026 तक निर्धारित की गई है।

इन सभी फसलों की खरीदी हेतु जिला जांजगीर-चांपा अंतर्गत 4 उपार्जन केंद्र एवं संबध्द भंडारण केंद्र अधिसूचित किये गए हैं- सेवा सहकारी समिति, जांजगीर एवं छत्तीसगढ राज्य गोदाम केरा रोड, सेवा सहकारी समिति, अकलतरा एवं छत्तीसगढ़ राज्य गोदाम-अकलतरा-1, सेवा सहकारी समिति, पामगढ़ एवं छत्तीसगढ़ राज्य गोदाम-अकलतरा-2 एवं सेवा सहकारी समिति बम्हनीडीह एवं छत्तीसगढ़ राज्य गोदाम-सारागांव एवं जगदल्ला चांपा। योजनांतर्गत शासन द्वारा पंजीकृत कृषकों से चना-6 क्विंटल प्रति एकड़, मसूर 2 क्विंटल प्रति एकड़ एवं सरसों-5 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। केवल पंजीकृत कृषकों से ही न्यूनतम मूल्य पर इन फसलों के क्रय किये जाने का प्रावधान है। एकीकृत किसान पोर्टल पर कृषकों के पंजीयन की तिथि 28 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

कृषक पोर्टल पर पंजीयन हेतु किसान भाई मोबाईल नम्बर, आधार कार्ड एवं ऋण पुस्तिका, बी-1, पी-द्वद्ध, बैंक पासबुक की छायाप्रति के साथ अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं अधिसूचित सेवा सहकारी समिति प्रबंधक से संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

सशक्त एप की मदद से चोरी की मोपेड बरामद

जांजगीर। सिटी कोतवाली जांजगीर पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान सशक्त एप का उपयोग कर चोरी की स्कूटी बरामद की। मामला 21 फरवरी की रात का है। थाना कोतवाली से आरक्षक राजकमल ओगरे और सुरेश रत्नाकर गश्त पर थे। इस दौरान नहरिया बाबा मंदिर के पास लावारिस हालत में स्कूटी क्रमांक सीजी 13 बीसी 2793 मिली। पुलिस टीम ने सशक्त एप से विवरण जांचा तो पता चला कि यह स्कूटी थाना सिविल लाइन, कोरबा में दर्ज चोरी के प्रकरण से संबंधित है। वाहन को सुरक्षित सिटी कोतवाली लाया गया और सिविल लाइन कोरबा पुलिस को सूचना भेजी गई।

जिला पंचायत सीईओ ने 15 मार्च तक मनरेगा कार्य, जून तक पीएम आवास पूर्ण करने के दिए सख्त निर्देश

जांजगीर-चांपा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे ने शुक्रवार को जनपद पंचायत नवागढ़ में आयोजित विस्तृत समीक्षा बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में जनपद सीईओ, सहायक अभियंता, कार्यक्रम अधिकारी सहित सभी तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायकों की उपस्थित थे।

बैठक में जिला सीईओ ने कहा कि मनरेगा अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर, अर्थात 15 मार्च तक समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने लंबित कार्यों में तेजी लाने, मजदूरों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने तथा कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यस्थलों पर नियमित निरीक्षण और प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करने कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत आवासों में हितग्राहियों को 90 दिवस की मजदूरी सुनिश्चित करने तथा निर्माणाधीन आवासों को जून माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया। जिला सीईओ ने कहा कि आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में जल संचय एवं जनभागीदारी से संबंधित कार्यों की प्रगति पर भी विशेष चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्यों की समय पर पोर्टल एंट्री सुनिश्चित की जाए और युक्तधारा पोर्टल में योजनाओं की कार्ययोजना नियमित अपलोड करना सुनिश्चित करने कहा। इसके अलावा निजी डबरी प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ तैयार कर शीघ्र स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि जल संरक्षण के कार्यों को गति मिल सके। जिला सीईओ श्री रावटे ने अधिकारियों-कर्मचारियों को पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की हिदायत दी।

जिले में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की परीक्षाओं के दृष्टिगत डीजे के प्रयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार जिला जांजगीर-चांपा अंतर्गत ध्वनि विस्तार यंत्रों के प्रयोग को प्रतिबंधित किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में अनुविभागीय दण्डाधिकारी (रा) जांजगीर, अकलतरा, पामगढ़ एवं चांपा ने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित परीक्षाओं के सुचारू रूप से संचालन एवं छात्र-छात्राओं की परीक्षाओं की तैयारी में व्यवधान ना हो इसे दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की धारा-04 के तहत् अनुविभाग जांजगीर, अकलतरा, पामगढ़ एवं चांपा क्षेत्रांतर्गत डी.जे. का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित करते हुए अन्य ध्वनि विस्तार यंत्रों का प्रयोग बिना लिखित पूर्वानुमति के प्रतिबंधित किया है।

सर्राफा व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

सक्ती । पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर द्वारा जिला सक्ती के सर्राफा व्यापारीगणों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

जिस बैठक में सर्राफा व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजेश सराफ अध्यक्ष सराफा एसोसिएशन सक्ति, आलोक अग्रवाल,दिनेश सराफ,विनोद अग्रवाल,सन्देश सराफ,अमित सराफ एवं अन्य सर्राफा व्यापारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा व्यापारियों को आभूषणों की बिक्री एवं लेन-देन के समय विशेष सावधानी बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क निगरानी रखने तथा सुरक्षा के निर्धारित मापदंडों का पालन करने के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने सभी प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे सुव्यवस्थित एवं चालू हालत में रखने, उच्च गुणवत्ता वाले कैमरों का उपयोग करने, अलार्म सिस्टम लगाने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था रखने तथा दुकान के अंदर-बाहर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की सलाह दी। साथ ही बड़ी राशि के लेन-देन के समय अतिरिक्त सावधानी बरतने एवं आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने हेतु प्रेरित किया। बैठक में एसडीओपी सक्ती भुवनेश्वरी पैकरा एवं थाना प्रभारी सक्ती लखनलाल पटेल भी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा व्यापारियों के सुझाव भी लिए गए तथा आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने पर बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय ने आश्वस्त किया कि सर्राफा व्यापारियों की सुरक्षा हेतु नियमित पेट्रोलिंग, सघन चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी लगातार जारी रहेगी। जिला सक्ती पुलिस द्वारा व्यापारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतत कार्यवाही की जा रही है।

मनरेगा अंतर्गत 3.5 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति आदेश जारी

सक्ती। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती श्री वासु जैन के निर्देशन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत सरपंचों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा योजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लगभग 3.5 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति आदेश सरपंचों को प्रदान किया गया। इस अवसर पर सरपंचों को निर्देशित किया गया कि सभी स्वीकृत कार्य गुणवत्तापूर्वक एवं निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराए जाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए। योजना अंतर्गत आजीविका डबरी निर्माण, मुक्तिधाम निर्माण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली गोदाम भवन निर्माण, सिंचाई हेतु नाली निर्माण कार्य सहित विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों के लिए ग्राम पंचायत कलमी, ढीमानी, नग्झर, बोकरेल, भठोरा, बंदोरा भेड़ीकोना, मरघटी, रनपोटा, सिंघरा, सुलौनी कटेकोनी छोटे, कंवलझर, गोपालपुर, नवापारा म, सरवानी बा, सकरेली बा, आमापाली गलगलाडीह, ठठारी एवं हरदीडीह में प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना सुदृढ़ होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

सट्टा खिलाने वाला गिरफ्तार हुआ 6570 रुपए और सट्टा-पट्टी जब्त

जांजगीर। शनि मंदिर रोड पर खुले स्थान में किशोर धकाते निवासी बरछापारा चांपा, कागज और पेन से सट्टा-पट्टी लिखकर लोगों से पैसे लगवाकर हार-जीत का खेल चला रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही खेलने वाले अन्य लोग भाग निकले, जबकि किशोर धकाते को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम और पता बरछापारा चांपा बताया।

आम सूचना

सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे आसामी संजय कुमार साहू पिता धरम लाल साहू निवासी जांजगीर तहसील जांजगीर जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) ने दीपांजली पति रामेश्वर प्रसाद जाति साहू साकिन जांजगीर की आधिपत्य की भूमि खसरा नं. 582/62 रकबा 0.0080 हे. एवं खसरा नं. 582/65 रकबा 0.0030 हे. जो ग्राम नैला प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. व तहसील जांजगीर जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) में स्थित है को क्रय करने का सौदा पक्का कर अग्रिम राशि प्रदान किया है। जिसकी पंजीयन निकट भविष्य में होना तय है। इस संबंध में किसी संस्था, आम जनता, निकाय, शासकीय, अर्द्ध शासकीय बैंक को किसी प्रकार से कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे कार्यालय में अपने वैध दस्तावेजों के साथ लिखित में आपत्ति कर दर्ज करा सकते हैं। 15 दिवस पश्चात उक्त भूमि का विक्रय पत्र मेरे आसामी के पक्ष में निष्पादित किया जावेगा जिसके उपरान्त की गई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी तथा वैधानिक रूप से प्रारंभ से शून्य होगी।

-: सो सूचना जाने:-

भवदीय
अनुराग कुमार तिवारी
अधिवक्ता, जांजगीर
जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)
मो.नं. 9926150956

भाजपा सरकार द्वारा होली पर शराब दुकान खोले जाने का फैसला अनुचित:नागेंद्र गुप्ता

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने होली के पावन पर्व पर शराब दुकानें खोलने का जो फैसला लिया है, वह न केवल सनातन धर्म की परंपराओं का अपमान है, बल्कि राज्य की कानून व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी घातक साबित होगा।

भाजपा सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने कहा कि उमंग हंसी खुशी और प्रेम भाईचारे के त्यौहार होली में छत्तीसगढ़ की सारी दुकानें बंद रहेंगी लेकिन सिर्फ शराब दुकान खुली रहेगी और भाजपा सरकार ने दारू बेचने का निर्णय लिया है पहले होली से एक दिन पहले सभी शराब दुकानें बंद कर दी जाती थीं, जिससे शराब के नशे में बहकने वाले असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगता था और लोग शांति से त्योहार मना पाते थे। लेकिन अब सरकार ने नई आबकारी नीति में ड्राई डेज को घटाकर मात्र 4 कर दिया है, जिसमें होली, मुहर्रम और गांधी निर्वाण दिवस जैसे महत्वपूर्ण दिन शामिल नहीं हैं। यह फैसला स्पष्ट रूप से राजस्व बढ़ाने की लालच में लिया गया है, जो भाजपा की दोहरी नीति को उजागर करता है।

भाजपा हमेशा से सनातन संस्कृति की रक्षक होने का दावा करती रही है और चुनावों में इसी आधार पर वोट मांगती है। लेकिन सत्ता में आते ही वह अपनी संस्कृति को भूलकर सिर्फ आर्थिक लाभ की ओर ध्यान दे रही है। छत्तीसगढ़ में पहले से ही कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है अपराध दर बढ़ रही है, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। ऐसे में होली जैसे रंगों और खुशियों के त्योहार पर शराब की बिक्री खुली रखना हुल्लड़बाजों और असामाजिक तत्वों को बढ़ावा देगा, जिससे आम आदमी का शांतिपूर्ण उत्सव मनाना मुश्किल हो जाएगा। क्या सरकार को राज्य की सांस्कृतिक विरासत और नागरिकों की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है इस फैसले का पुरजोर विरोध करते हैं और मांग करते हैं कि सरकार तत्काल इसे वापस ले,होली को ड्राई डे घोषित किया जाए और परंपरागत रूप से शराब दुकानें बंद रखी जाएं।

भू-जल स्तर 300 फीट से नीचे, फसल पर संकट

मालखरौदा। अनुविभाग क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भू-जल स्तर में तेज गिरावट से किसानों और आम नागरिकों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। अभी गर्मी शुरू भी नहीं हुई है, इसके बावजूद कई जगहों पर जलस्तर 300 फीट से अधिक गहराई में पहुंच गया है।

निजी ट्यूबवेल से सिंचाई करना मुश्किल हो गया है और रबी फसल प्रभावित होने लगी है। किसानों का कहना है कि सीमित रकबे में रबी फसल बोई गई है और अब तक आधे से अधिक लागत लग चुकी है, लेकिन ट्यूबवेल से बहुत कम पानी निकलने के कारण फसल सूखने की कगार पर है।

समय पर पानी की व्यवस्था न हुई तो भारी आर्थिक नुकसान का खतरा है और किसान कर्ज के बोझ में दब सकते हैं। सिर्फ खेती ही नहीं, पेयजल संकट भी बढ़ रहा है। घरों में लगे मोटर पंप से कम पानी आने से दैनिक जरूरतें पूरी नहीं हो पा रहीं और ग्रामीणों को सुबह-शाम पानी भरने के लिए अतिरिक्त मशक्कत करनी पड़ रही है।

डॉ. गीता प्रसाद गुप्ता की मनाई गई 40वीं पुण्यतिथि

संदीपनी महाविद्यालय राहौद में किया गया विशाल कार्यक्रम

जांजगीर-चांपा। संदीपनी महाविद्यालय राहौद में स्व. डॉ.गीता प्रसाद गुप्ता की 40 वीं पुण्यतिथि पर मोतियाबिंद ऑपरेशन, नेत्र रोग परीक्षण के साथ-साथ रक्तदान का विशाल शिविर आयोजित किया गया ।जहां सैकड़ो की संख्या में लोग इस शिविर में भागीदार होकर लाभ उठाएं। इस आयोजन के साथ-साथ यहां भजन कीर्तन एवं प्रबुद्धजनों का स्वागत,सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। जहां वयोवृद्ध जनो तथा साधु संतों का सम्मान किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में देवरघटा आश्रम के प्रसिद्ध महाराज गोपाल दास जी महाराज मुख्य अतिथि रहे हैं।वही कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अनेक संतों के अलावा नगर पालिका जांजगीर नैला के पूर्व अध्यक्ष रघुराज प्रसाद पांडेय, वरिष्ठ कांग्रेस नेता लक्ष्मण मुकीम ,कथाकार द्विवेदी एवं कमला खूंटे,वरिष्ठ अधिवक्ता बिलासपुर शेख साहब, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष चंदेल, सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि गोपाल दास जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति को हमेशा ईश्वर को याद करते रहना चाहिए इससे व्यक्ति द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों में भगवान सदा सहयोग करते हैं। लोगों को विवादों से बचकर कार्य करने की जरूरत है तभी व्यक्ति उन्नति के मार्ग पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने न केवल पुरुष वर्ग को बल्कि महिला वर्ग को भी मार्गदर्शन देते हुए कहा कि गृहस्थ आश्रम में कार्य करते हुए प्रभु को याद करते रहना चाहिए जिससे सारे कार्यों का एवं जन्मों का फल फली भूत हो जाता है। कार्यक्रम के अतिथि रघुराज प्रसाद पांडेय ने कहा कि लोग लोग अपने माता-पिता के मृत्यु हो जाने पर भूल जाते हैं किंतु संतोष गुप्ता ने अपने पिता स्वर्गीय डॉक्टर गीता प्रसाद गुप्ता के मृत्यु के 40 वर्ष बाद भी उन्हें याद करके यह कार्यक्रम किए हैं जो बधाई के पात्र हैं । यह समाज के लिए एक मिसाल है जिसका अनुसरण प्रत्येक नागरिक को करनी चाहिए तथा अपने माता-पिता को हमेशा याद करते रहना चाहिए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता लक्ष्मण मुकीम ने कहा कि आज जो सम्मान समारोह रखा गया है तथा जो शिविर आयोजित की गई है यह सेवा भाव का प्रमुख माध्यम है इसे हमेशा आयोजित करते हुए दीन दुखियों की सेवा में हाथ बढ़ाना अनुकरणीय काम है इसके लिए मैं इस महाविद्यालय के संचालक संतोष गुप्ता को बधाई देता हूं। विशिष्ट अतिथि कमला खूंटे ने कहा कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन नेत्र परीक्षण का यह शिविर निश्चित अच्छा कार्य है इससे लोगों को लाभ मिल रहा है और एक पड़ाव के बाद प्रत्येक व्यक्ति को इसकी आवश्यकता होती है इसके लिए महाविद्यालय परिवार को मैं बधाई प्रेषित करता हूं। कार्यक्रम के शुभारंभ में छत्तीसगढ़ी लोकगीत अरपा पैरी के छांव के गाना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात स्वर्गीय गीता प्रसाद गुप्ता फोटो पर दीप प्रज्वलित करते हुए माल्यार्पण की गई। उपस्थित जनों ने स्व. गुप्ता को पुष्पांजलि अर्पित किए। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने अपनी बातें रखी तथा महाविद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया । इसके अलावा इस महाविद्यालय में प्रवीण सूची पर आने वाले होनहार बच्चों को प्रशस्त्री पत्र देकर अतिथियों के हाथों उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भव्य संगीत का आयोजन भी किया गया था जिसके गणों से लोग खूब झूमते रहे इस अवसर पर संतोष तिवारी, वरुण पांडे, इमरान खान, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित थे।

अनमोल वचन......

हमारे सामने आने वाला कोई भी तथ्य उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि उसके प्रति हमारा दृष्टिकोण, क्योंकि वही हमारी सफलता या असफलता निर्धारित करता है।

कमान श्रृंखला को लेकर प्रश्न

देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने लद्दाख क्षेत्र में 2020 में हुई घटनाओं के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान श्रृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की कथित रूप से अप्रकाशित किताब कैसे छपे रूप में और उसकी पीडीएफ कॉपियां आम लोगों तक पहुंच गई, यह प्रकाशक पेंगुइन इंडिया के लिए अहम मसला हो सकती है, लेकिन देशवासियों के सामने यह मुख्य मुद्दा नहीं है। देश के सामने असल सवाल वो ब्योरा है, जो जनरल नरावणे ने 2020 में भारतीय सीमा के अंदर चीन की पैठ बनने और उसी क्रम में कैलाश रेंज में हुई घटना के बारे में दिया है। उन घटनाओं से भारतीय सेना के अंदर कमान श्रृंखला को लेकर प्रश्न उठे हैं। चूंकि उससे सर्वोच्च राजनीतिक नेतृत्व सवालों के घेरे में आया है, तो कुछ दूसरे हलकों से जनरल नरावणे के कर्तव्य निर्वाह के रिकॉर्ड पर निशाने साधे गए हैं।

पूछा गया है कि जब मई- जून 2020 से चीनी सेना ने लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाके में घुसपैठ की, तो उसे रोकने में भारतीय सेना क्यों नाकाम रही। उस दौरान खुद जनरल नरावणे के दिए कुछ बयानों का उद्धरण देते हुए कहा गया है कि तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने चीनी कार्रवाइयों की गंभीरता की या तो उपेक्षा की अथवा उन्होंने उससे देश को नावाकिफ रखा। उधर जनरल नरावणे की किताब से संकेत मिलता है कि सेना को 'टॉप' से बिना अनुमति के फायरिंग ना करने का निर्देश था। इसी बीच एक संकटपूर्ण मौका आया और तत्कालीन सेनाध्यक्ष ने दिशा-निर्देश मांगा, तो राजनीतिक नेतृत्व ने पहले तो लेट-लतीफी की और फिर उन पर डाल दिया गया कि जो उचित लगे उसे वे करें। विशेषज्ञों के मुताबिक इस पूरे प्रकरण में युद्ध संबंधी टैक्टिकल, ऑपरेशनल, एवं स्ट्रेटेजिक निर्णय प्रक्रिया घालमेल का शिकार हो गई लगती है। चूंकि ये बात बहुचर्चित हुई है, तो भारत के 'दुश्मनों' ने भी उस पर गौर किया होगा। इसलिए असल सवाल ऐसी कमजोरियों को तुरंत दूर करने का है। जरूरी यह है कि इस पर समग्र चर्चा हो और जवाबदेही की श्रृंखला तय की जाए। इसके विपरीत किताब कैसे सार्वजनिक हो गई, जैसे मुद्दे को योजनाबद्ध ढंग से तरजीह दी जा रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रकाशक के साथ-साथ पुस्तक लेखक भी इसमें सहयोगी बन गए हैं।

राशिफल

मेष राशि : आज आपका सोचा हुआ काम पूरे होंगे। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप नया काम शुरू करने की योजना बनायेंगे, आगे चलकर इससे आपको फायदा होगा। इस राशि के छात्रों के सफलता का स्तर अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा रहेगा।

वृष राशि : आज आपको इनकम में बढ़ोतरी के लिये किसी की मदद मिल सकती है। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी किसी काम के लिये आपकी तारीफ कर सकते है, इससे आपका मन खुश रहेगा। शाम को किसी दूर के रिश्तेदार से फ़ोन पर बात हो सकती है। काम को लेकर आपकी कई योजनाएं आज समय से पूरी हो जायेंगी।

मिथुन राशि : आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। आपकी फिटनेस बनी रहेगी। आप जीवनसाथी की किसी काम में मदद करेंगे। जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते अपने आप खुलते जायेंगे। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए हैं। आपका नया कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा। इ

कर्क राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिलेगी। व्यापार की गति ठहरने से किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे, जिससे जल्द ही सबकुछ अच्छा हो जायेगा। आज माता-पिता के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। अनियमित दिनचर्या के कारण थोड़ा आलस्य और थकान बना रहेगा। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। परिवार के सुख-सौभाग्य में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। मित्र आपसे सहयोग के लिए कह सकता है, आप उनकी हर संभव मदद करेंगे। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आप जिस किसी काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको अच्छी कामयाबी मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में नयी-नयी खुशियां आयेगी।

तुला राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से आपको बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से फोन पर बात होने की संभावना है। निवेश के मामले में आपको नई सलाह मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको मानसिक उलझनों से मुक्ति मिलेगी, जिससे काफी राहत महसूस करेंगे। परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। दाम्पत्य रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज किसी प्रकार की नई बात आपको सीखने को मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

धनु राशि : आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। आज आप घरेलू काम को निपटाने में सफल रहेंगे। सही योजना के तहत अपने करियर में बदलाव लायेंगे। सेहत के मामले में आप खुद को फीट महसूस करेंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। आज आप अपना काम समय से पूरा कर लेंगे। अगर नया काम शुरू करना चाहते है, तो फिलहाल कुछ दिनों के लिए रुक जाना अच्छा रहेगा। परिवार के मामले में बड़ा फैसला लेने से पहले सबकी बात आपको जरूर सुनना चाहिए। कुछ चीज़ों में आपको लोगों से उलझने से बचना चाहिए। संतान से आपको सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि : आज आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। लम्बे समय से चल रहा किसी कोर्ट-कचहरी के मामले को निपटने के लिए किसी ख़ास दोस्त से फ़ोन पर राय लेंगे। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में तरक्की के योग बन रहे है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे।

मीन राशि :आज आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। अध्यात्म के प्रति लगाव बढ़ेगा। जीवनसाथी के सहयोग से काम पूरे हो जायेंगे। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ननिहाल पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। आप लोगों को अपनी बातें समझाने में सफल होंगे। आज बात करते समय अपनी भाषा पर ध्यान दें, नहीं तो किसी से अनबन हो सकती है। आपकी दिनचर्या में बदलाव आने से आज कुछ कार्यों को पूरा करने में समय लगेगा। आज पिता के सेहत में सुधार होगा।

पारदर्शिता से जवाबदेही की ओर: भारत की खाद्य सुरक्षा संरचना में एआई की भूमिका

//संजीव चोपड़ा//

पिछले एक दशक के दौरान, भारत ने अभूतपूर्व पैमाने पर अपनी खाद्य सुरक्षा संरचना का डिजिटलीकरण किया है। खरीद एवं भंडारण से लेकर परिवहन, वितरण और सब्सिडी के निपटारे तक, मूल्य श्रृंखला का हर चरण अब डिजिटल प्रणालियों द्वारा संचालित है। यह व्यवस्था निरंतर संचालन से जुड़े आंकड़े सृजित करने के साथ-साथ ही हर महीने लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रही है। शासन संबंधी अगली चुनौती इस पारदर्शिता को प्रशासनिक जवाबदेही में बदलना है। सिर्फ दृश्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस प्रणाली को पैटर्न की व्याख्या करने, जोखिमों को प्राथमिकता देने और समय पर प्रतिक्रिया देने में भी समर्थ होना चाहिए। इस बदलाव को देखते हुए, केन्द्र सरकार पूरी प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर रही है।

खरीद प्रक्रिया के दौरान, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को कुटाई के बाद आपूर्ति किए गए चावल की गुणवत्ता का आकलन टूटे हुए दानों के प्रतिशत, अशुद्धियों और रंग में बदलाव जैसे निर्धारित मापदंडों के आधार पर दृश्य आधारित मूल्यांकन पर निर्भर करता है। बड़े पैमाने पर, मानवीय व्यक्तिपरकता के कारण नतीजे भिन्न हो सकते हैं। इसलिए, एआई से लैस स्वचालित अनाज विश्लेषक (एजीए) का उपयोग तस्वीर-आधारित विश्लेषण के जरिए इन मापदंडों का आकलन करने हेतु किया जा रहा है। माप को मानकीकृत और व्यक्तिपरकता को कम करके, ये प्रणालियां मौजूदा खरीद मानदंडों के भीतर काम करते हुए गुणवत्ता के सत्यापन में निरंतरता को बेहतर बना रही हैं।

एफसीआई और सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (सीडब्ल्यूसी) द्वारा संचालित भंडारण केन्द्रों में, निगरानी को मजबूत करने हेतु आईओटी-आधारित निगरानी प्रणालियों की शुरुआत की जा रही है। सेंसर तापमान, आर्द्रता, फॉस्फीन और कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को मापते हैं, जबकि एआई से लैस कंप्यूटर विजन टूल स्वचालित तरीके से बोरियों की गिनती और स्टॉक के सत्यापन में सहायता करते हैं। ये प्रणालियां माल-सूची (इन्वेंट्री) और पर्यावरणीय स्थितियों से संबंधित निरंतर आंकड़े सृजित करती हैं। डीएफपीडी के वेयरहाउस ग्रेडिंग प्लेटफॉर्म, डिपो दर्पण के साथ एकीकृत, इस आंकड़े का विश्लेषण प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स का उपयोग करके खराब होने के जोखिम, स्टॉक संबंधी विसंगतियों या अनुपालन की कमियों से जुड़े पैटर्न की पहचान करने हेतु किया जा सकता है ताकि शीघ्र और अपेक्षाकृत अधिक जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण से जुड़ी कार्रवाई संभव हो सके।

खाद्यान्नों की आवाजाही के दौरान, मार्ग अनुकूलन उपकरणों ('अन्न चक्र') का उपयोग करके जहां परिवहन की योजना बनाई जाती है, वहीं व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (वीएलटीएस) ट्रक की आवाजाही से जुड़े वास्तविक समय में जीपीएस आधारित आंकड़े सृजित करते हैं। राज्यों ने मार्ग अनुकूलन के जरिए लगभग 238 करोड़ रुपये की वार्षिक बचत की है। मार्ग संबंधी योजना भले ही व्यवस्थित है, लेकिन राज्यों में हजारों यात्राओं की निगरानी करना परिचालन संबंधी चुनौतियां पेश करता है। आवागमन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने और बार-बार होने वाले मार्ग विचलन, असामान्य देरी या असामान्य ठहराव को चिह्नित करने के उद्देश्य से एआई-आधारित पैटर्न का पता लगाने और विसंगति की पहचान करने की योजना बनाई जा रही है। ये विश्लेषण निगरानी को मजबूत कर रहे हैं और परिवहन संचालन के अपेक्षाकृत अधिक केन्द्रित सत्यापन को संभव बना रहे हैं। वितरण वाले चरण में, राज्यों द्वारा रखे गए लाभार्थियों के रिकॉर्ड को स्मार्ट-पीडीएस प्लेटफॉर्म के तहत समेकित किया जाता है। इससे राशन कार्डों का एक एकीकृत राष्ट्रीय भंडार तैयार होता है। यही नहीं, इससे राज्य द्वारा परिभाषित मानदंडों के तहत संभावित रूप से अपात्र कार्डों की पहचान करने हेतु अन्य सरकारी डेटाबेस के साथ सत्यता की पुष्टि (क्रॉस-वेरिफिकेशन) भी संभव हो पाती है। अब तक, इस तरह के सत्यापन के जरिए 8.51 करोड़ राशन कार्डों को चिह्नित किया गया है। इनमें से 2.18 करोड़ कार्डों को राज्य सरकारों द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद हटा दिया गया है। हालांकि नामों, पतों, आधार सीडिंग और परिवार की संरचना में विसंगतियां बड़े पैमाने पर नियम-आधारित जांच की प्रभावशीलता को सीमित कर सकती हैं। संभावित नकल, संबंधित पहचानों या परिवारों के असामान्य पुनर्गठन की पहचान करने हेतु मशीन लर्निंग पर आधारित आंकड़ों के मिलान की तकनीकों का उपयोग करने की योजना बनाई जा रही है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले जोखिम संबंधी संकेत राज्यों द्वारा लक्षित सत्यापन में सहायता करेंगे, जिससे मौजूदा पात्रता संबंधी मानदंडों के भीतर सटीकता बेहतर होगी।

लाभार्थियों की शिकायतें सेवाओं की आपूर्ति और अनाज की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। शिकायत दर्ज कराने हेतु कई साधन (ऑनलाइन पोर्टल, कॉल सेंटर, व्हाट्सएप और आईवीआरएस सहित) मौजूद हैं, लेकिन शिकायतों की संख्या और भाषाई विविधता के कारण समय पर उनका निपटान और समाधान करना मुश्किल हो जाता है। सरकार ने अन्न सहायता होलिस्टिक एआई सॉल्यूशन (आशा) शुरू किया है, जो बहुभाषी वॉयस आउटरीच और एआई-आधारित विश्लेषण का उपयोग करके लाभार्थियों से व्यवस्थित प्रतिक्रिया एकत्र करता है। स्वचालित वर्गीकरण और भावनाओं के विश्लेषण प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड तैयार करते हैं, जिससे प्राथमिकता के निर्धारण और प्रतिक्रिया में लगने वाले समय में सुधार होता है। आशा वर्तमान में प्रति माह लगभग 20 लाख लाभार्थियों तक पहुंचती है और पूरे देश में इसका विस्तार किया जा रहा है।

अंत में, राज्य सरकारें खरीद लागत घटकों से संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ एनएफएसए के लिए सब्सिडी दावे (स्कैन) पोर्टल के जरिए सब्सिडी संबंधी दावों को प्रस्तुत करती हैं। प्रारूप और चेकलिस्ट भले ही मानकीकृत हैं, लेकिन अपूर्ण, बेमेल या अस्पष्ट दस्तावेज के कारण जांच और प्रतिपूर्ति में देरी हो सकती है। दस्तावेजों की प्रासंगिकता, डेटा की निरंतरता और अपलोड की स्पष्टता की पुष्टि करने हेतु एआई-आधारित दस्तावेज सत्यापन और गुणवत्ता मूल्यांकन का उपयोग किया जा रहा है। इससे बार-बार की पूछताछ कम होती है और दावों के निपटारे की प्रक्रिया में दक्षता और निरंतरता बेहतर होती है।

भारत की खाद्य सब्सिडी संरचना ने डिजिटलीकरण के जरिए पहले ही बर्बादी को कम कर दिया है। अगला बदलाव जवाबदेही में निहित है। खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और दावों के निपटान की प्रक्रिया में एआई को शामिल करके, यह प्रणाली जोखिमों का शीघ्र पता लगाने, त्रुटियों को तेजी से सुधारने और लाभार्थियों को उनका हक समय पर दिलाने में अधिक समर्थ हो जाती है। कुल 80 करोड़ से अधिक लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले इस कार्यक्रम में, अधिक जवाबदेही कोई मामूली सुधार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा ढांचे की संरचनात्मक मजबूती का प्रतीक है।

ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ

//हरिशंकर व्यास//

तो आज का वक्त भारत का सेनापति बेचारा (थलसेना प्रमुख-जनरल एमएम नरवणे) 'सबसे ऊपर से'.. आदेश की प्रतीक्षा के अनुभव वाला। अंत में जवाब - जो उचित समझो, वह करो। कितनी गंभीर बात। तभी विचार करें नेहरू के बनाए भारत और जिन्ना के बनाए पाकिस्तान में क्या फर्क है? नेहरू की जिद्द थी कि सिविल सरकार से सेना आदेश लेगी। जबकि जिन्ना ने दिमाग नहीं लगाया। नतीजतन पाकिस्तान में रिवाज है सेना देगी सिविल सरकार को आदेश। वह चलाएगी सरकार!

इस फर्क को क्या नरेंद्र मोदी, अजित डोवाल, राजनाथ सिंह, अमित शाह, जयशंकर या संघ परिवार के लाठीधारी जानते हैं? चलिए आज आपको राहुल गांधी के पुरखे जवाहरलाल नेहरू की समझ का एक प्रमाण दें। वह सबूत, जिससे पाकिस्तान में सैनिक सर्वशक्तिमान है वही लोकतांत्रिक भारत भयाकुल सिविलियन नरेंद्र मोदी से शासित है।

नेहरू आजादी से पहले अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे। वायसराय की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष थे। वह कार्यकारिणी देश के प्रशासन का बिंदु थी। उसमें ब्रितानी सेना के प्रमुख की सदस्यता अनिवार्य थी। पर नेहरू ज्योंहि उपाध्यक्ष बने उनका निर्णय था नागरिक व्यवस्था, राजनीतिक निर्णयों की बैठकों में सेना प्रमुख का क्या काम! वह सदस्य नहीं होगा। उन्होंने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख को सदस्य नहीं बनाने की अनुशंसा की। नेहरू ने साफ स्टैंड लिया कि शासन-प्रशासन से सेना को दूर रखा जाना चाहिए, ताकि सत्ता का संतुलन नागरिक नेतृत्व के अधीन रहे। तब नेहरू और कांग्रेस नेताओं को बोध था कि भारत में विदेशी शासन सैन्य छावनियों के बल पर था। सो, भविष्य के लोकतांत्रिक भारत में सेना को शासन से दूर रखने का निर्णय हुआ। और नेहरू ने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख के स्थान पर सेना के प्रतिनिधि मंत्री के रूप में नेता सरदार बलदेव सिंह को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया। फिर वह हरसंभव प्रयास किया, जिससे सेनाध्यक्ष की प्रशासनिक मामलों से दूरी बनी। वह हस्तक्षेप न हो और न ही नीतिगत निर्णयों में निर्णयकर्ता या भागीदार बने। लोकतंत्र को स्थिर, टिकाऊ बनाए रखने के लिए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर एक कैबिनेट समिति का गठन किया। इसी से नागरिक और सैन्य नेतृत्व के बीच एक संस्थागत संतुलन स्थापित हुआ। इसके अलावा, नेहरू ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के कार्यकाल को निश्चित अवधि का बनाया, जिससे सैन्य पदों पर अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव को रोका जा सके। सेवानिवृत्त सेना प्रमुखों, जैसे जनरल करियप्पा, को दूरस्थ देशों में राजदूत नियुक्त किया। मतलब सैन्य नेतृत्व की राजनीतिक सत्ता से दूरी बनाए रखने की परंपरा बनाई। खुफिया एजेंसियों के माध्यम से निगरानी तंत्र विकसित किया।

तभी नेहरू से मोदी के सत्ता में आने तक हर सरकार ने तीनों सेनाओं के प्रमुख अलग-अलग रखे। चीन के हमले के बाद तीनों सेना के कमान से ऊपर एक प्रमुख की नियुक्ति की सलाह दी जाती रही। लेकिन भारत के सभी प्रधानमंत्रियों ने नेहरू की इस समझ को अपनाए रखा कि एक शक्तिशाली सैन्य पद लोकतंत्र के लिए ख़तरा बन सकता है। उस सोच-सावधानी को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष का पद (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस) बना कर और सन् 2020 में जनरल रावत को नियुक्त कर खत्म किया। शायद इसलिए क्योंकि गुजरात से आए नरेंद्र मोदी ने अपनी कमी (सीधे बात करने, निर्देश देने, कैबिनेट में रियल विचार विमर्श निर्णय की क्षमता, विश्वास में कमी) को ढकने के लिए सीएमओ के ढर्रे पर खास-विश्वस्त एनएसए अजित डोवाल, पीएमओ के प्रमुख सचिव, विश्वस्त अमित शाह की कमांड बनाई तो सेना के लिए भी एक विश्वस्त की जरूरत थी। सो, वे बतौर सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल (आईपीएस अफसर) को मन की बात कहें। उसे डोवाल सेनाध्यक्ष, सीडीएस को सुनाए और सीडीएस फिर थल, वायु, नौ सेना के प्रमुखों को हुकूम दे। इस कमांड चेन के अनुभव पुलवामा, गलवान, डोकलाम, ऑपरेशन सिंदूर में झलके हैं। वैश्विक तौर पर भारत की सैन्य क्षमता पोली हुई मानी गई है। सो, नेहरू ने भारत को पाकिस्तान नहीं बनने देने के लिए निर्वाचित सरकार को सर्वेसर्वा बनाया। मगर हां, उन्होंने कल्पना नहीं की थी कि कभी कोई ऐसा प्रधानमंत्री भी होगा, जिसमें न तो कैबिनेट बैठक, कैबिनेट की सुरक्षा कमेटी में खुले मंथन की हिम्मत होगी। न सीधा आदेश मिलेगा। और ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ। फिर भले सीमा की तरफ चीनी सैनिक, टैंक बढ़ रहे हैं तो सेनाधिकारियों के संग नफे-नुकसान पर विचार के बिना रक्षा मंत्री के जरिए अंत में संदेश भिजवा देंगे, जो उचित समझो, वह करो।

समझौते की घोषणा किसी को पता नहीं

लाख टके का सवाल है आज अमेरिका के साथ जिस व्यापार संधि की बात है उसका असल कौन जानता है। क्या कैबिनेट में विचार हुआ। मंत्रियों के समूह, सचिवों के समूह में विचार हुआ। सवाल यह भी है कि अकेले अमेरिका के राष्ट्रपति ने समझौते की घोषणा क्यों की। क्यों फिर एक घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप का आभार जताया, पुष्टि की। साझा घोषणा क्यों नहीं हुई। याद करें इसी तरह ट्रंप ने एकतरफा तरीके से 10 मई 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। उसके आधे घंटे के बाद भारत की ओर से एक मिनट से भी कम की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी, जिसमें सीजफायर की पुष्टि की गई थी। इसी तरह ट्रंप ने ही ऐलान किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा और यह भी ऐलान किया कि भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।सवाल है जब साझा बयान तैयार नहीं है, समझौते की बातचीत पूरी तरह से फाइनल नहीं हुई है और तत्काल कोई प्रावधान लागू नहीं हो रहा था तो सोमवार, दो फरवरी की देर रात को इसकी घोषणा की क्या जरुरत थी। ध्यान रहे वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अगले चार पांच दिन में साझा बयान तैयार हो जाएगा और उसकी घोषणा हो जाएगी। इसके बाद एक हफ्ते में भारत पर लगा टैरिफ कम होगा और मार्च के मध्य में 'पहला ट्रांच' यानी समझौते के पहले हिस्से की घोषणा होगी। ऐसे में क्या यह उचित नहीं होता कि जब साझा बयान तैयार हो जाए तभी एक साथ उसकी घोषणा होती। पीयूष गोयल ने कहा है कि साझा बयान पर दस्तखत वर्चुअल तरीके से हो सकता है। जब ऐसा ही होना है तब तो यह और भी अच्छी स्थिति थी कि इंतजार किया जाता और एक साथ समझौते की घोषणा होती! लेकिन आनन फानन में दो फरवरी की रात को सवा नौ बजे के करीब भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात हुई है। उन्होंने लोगों को जुड़े रहने को भी कहा। इसके थोड़ी देर के बाद रात 10 बजे के करीब राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लंबी पोस्ट लिख कर कहा कि भारत के साथ समझौता हो गया। इसके एक घंटे बाद रात 11 बज कर दो मिनट पर प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी पुष्टि की। ध्यान रहे सोमवार को दिन में राहुल गांधी संसद में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब का अंश लेकर संसद में पहुंचे थे और अपने भाषण में इसे उठाने का प्रयास किया था।हालांकि उनको बोलने नहीं दिया गया लेकिन सबको पता चल गया कि 31 अगस्त 2020 की रात को क्या हुआ था। कैसे भारत के राजनीतिक नेतृत्व ने सेना और सेना प्रमुख को उनके हाल पर छोड़ दिया था। उसी दिन रात में समझौते की खबर आई। लेकिन राहुल गांधी पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। वे अगले दिन किताब लेकर संसद में पहुंचे और यह भी कहा कि 'प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हैं'। राहुल ने कहा कि अमेरिका ने एपस्टीन फाइल्स की बहुत सी बातें अभी सार्वजनिक नहीं कीं। उनके मुताबिक एपस्टीन फाइल्स और अडानी के ऊपर मुकदमे की वजह से प्रधानमंत्री दबाव में हैं और इस वजह से समझौता हुआ है।पता नहीं हकीकत क्या है लेकिन सरकार की हड़बड़ी और टाइमिंग पर निश्चित रूप से सवाल खड़े होते हैं। हड़बड़ी की बात इसलिए है क्योंकि समझौते की घोषणा के चार दिन बाद तक किसी को पता नहीं है कि इसमें क्या है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में भी बता दिया है कि समझौता हो गया है और इसमें किसानों, पशुपालकों सहित देश के हर वर्ग के हितों का ख्याल रखा गया है। किसी के हित से समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका के दौर पर गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उनको समझौते के बारे में खास जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में वाणिज्य मंत्री जान रहे होंगे। हालांकि उनके अमेरिका दौरे पर व्यापार समझौते से जोड़ कर ही देखा जा रहा है।

तस्वीरों की दुनिया

विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा, नई दिल्ली एयरपोर्ट पर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा को एक फोटो एल्बम भेंट करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेरठ पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से मेरठ के बीच चलने वाली नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मेरठ में कई विकास कार्यों का उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मेरठ साउथ स्टेशन तक मेट्रो की सवारी की।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बालावाला देहरादून में विराट हिन्दू सम्मेलन में प्रतिभाग किया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इंदौर के बास्केटबॉल परिसर में किसान कल्याण की बात युवाओं के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

भारत के पास अपना मोबाइल OS तक नहीं, सैम पित्रोदा के बयान पर भड़की बीजेपी

नईदिल्ली, 23 फरवरी [एजेंसी]।

अपने बयानों के लिए अक्सर चर्चाओं में रहने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के मुखिया सैम पित्रोदा ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। पित्रोदा ने कहा- 1.50 अरब की आबादी वाले देश के पास अपना मोबाइल आपरेटिंग सिस्टम (ओएस) तक नहीं है। यह शर्म की बात है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिभाएं दूसरों की सेवा करने के लिए ही हैं। उधर, भाजपा ने कड़ा प्रतिकार करते हुए कहा कि कांग्रेस का एकमात्र मिशन झूठ बोलकर भारत को नीचा दिखाना है। साथ ही पित्रोदा के दावों को खारिज करते हुए भारत में विकसित आपरेटिंग सिस्टमों की लंबी फेहरिस्त गिनाई। एक यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में पित्रोदा ने कहा कि भारत ने युवाओं की जो बड़ी फौज तैयार की है, वह भारत के लिए नहीं बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए काम कर रही है। भारत ने अपने खुद के वैश्विक स्तर के टेक्नालाजी प्रोडक्ट नहीं बनाए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत माइक्रोसाफ्ट जैसी कंपनी या अपना खुद का इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म और मोबाइल ओएस क्यों नहीं बना पाया। उधर, पित्रोदा के बयान पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा- कांग्रेस के टापलेस प्रदर्शन के बाद अब लश्कर-ए-कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा सामने आए हैं। अंकल सैम एक बार फिर भारत को नीचा दिखाने के एजेंडे पर चलते हुए झूठ बोलकर देश का मजाक उड़ा रहे हैं। वे कहते हैं कि भारत के लिए शर्म की बात है कि उन्होंने मोबाइल के लिए ओएस भी विकसित नहीं किया। हकीकत ये है कि बास लीनक्स, माया ओएस, प्राइमओएस, भारओएस, इंडस ओएस और नेक्स्टक्वांटमओएस जैसे आपरेटिंग सिस्टम भारत में ही विकसित हुए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस भारत से नफरत करती है और उसका मकसद देश को सिर्फ नीचा दिखाना होता है।

अरब सागर में कोस्ट गार्ड की बड़ी कार्रवाई, 5 करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त, 4 ईरानी गिरफ्तार

अहमदाबाद। भारतीय तटरक्षक बल ने रविवार को गुजरात तट से कुछ दूर अरब सागर में एक विदेशी नाव को रोककर उसमें सवार चार ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया। नाव से लगभग पांच करोड़ रुपये की 200 कार्टन विदेशी सिगरेट जब्त की गई है।यह अभियान शनिवार को द्वारका तट के पास चलाया गया। आइसीजी ने एक पोस्ट में बताया कि इस खेप का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 25 करोड़ रुपये से पांच करोड़ रुपये के बीच होने का अनुमान है। जांच के लिए नाव को पोरबंदर ले जाया जा रहा है।अल मुख्तार नामक इस नाव में चार ईरानी चालक दल के सदस्य सवार थे। तलाशी लेने पर नाव के निचले हिस्से में छिपाए गए विदेशी ब्रांड की सिगरेट के लगभग एक लाख पैकेटों से भरे 200 कार्टन बरामद हुए।इससे पहले भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस ने 16 फरवरी को एक संयुक्त अभियान में गुजरात तट से दूर 200 किलोग्राम से अधिक संदिग्ध नशीले पदार्थों के साथ दो ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया था।

जबलपुर-भोपाल हाईवे पर रेल ओवरब्रिज का हिस्सा गिरा, आवागमन बंद

जबलपुर। जबलपुर जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना रेल ओवर ब्रिज का एक हिस्सा रविवार शाम करीब पांच बजे भरभराकर ढह गया। गनीमत रही कि यातायात चालू होने के बाद भी किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ।इस रेल ओवर ब्रिज का एक हिस्सा जर्जर हो जाने की वजह से पहले ही क्षतिग्रस्त हो गया था, जो सुधार के लिए दो माह से बंद है। ऐसे में, प्रशासन ने भोपाल-जबलपुर मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन बंद कर दिया है।बता दें कि लंबे समय से इस मार्ग और ओवरब्रिज निर्माण की गुणवत्ता को लेकर मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन पर आरोप लग रहे थे। 54 किमी के इस मार्ग के निर्माण पर 628 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। एनएचएआइ ने 54 किमी लंबे मार्ग का निर्माण कार्य एमपीआरडीसी को दिया था। उसने इसका ठेका मेसर्स वागड़ इंफ्रा प्रोजेक्टस लिमिटेड मेसर्स सोराठिया को दे दिया था। एमपीआरडीसी ने बताया कि संबंधित निर्माण एजेंसी को करीब एक माह पहले ही ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था। उनके निर्माण गुणवत्ता को कमजोर आंका गया है। वहीं, वागड़ कंपनी के मैनेजर का कहना है कि पिलर का हिस्सा सही है, एक तरफ का हिस्सा टूटा था, एक तरफ वाहनों का लोड ज्यादा बढ़ गया था, जिससे मिट्टी के पुराव वाला हिस्सा बैठ गया है।

साहब, केवल दो रोटी मिलती हैं, सरकारी हॉस्टल में तहसीलदार को देखते ही रो पड़े भूखे से मासूम

राजगढ़। मध्य प्रदेश में छात्रावास संचालकों की मनमानी कमजोर वर्ग के बच्चों पर भारी पड़ रही है। उन्हें भरपेट भोजन तक नसीब नहीं होता। रविवार को राजगढ़ के एक शासकीय बालक प्री-मैट्रिक विमुक्त जाति छात्रावास में निरीक्षण करने पहुंचे तहसीलदार विनीत गोयल को भूखे पेट रहने की व्यथा बताते हुए बच्चे रो पड़े। बच्चों ने कहा कि उन्हें हर रोज खाने में केवल दो रोटी दी जाती हैं। आज भी वह भूखे हैं, इस पर तहसीलदार ने होटल से भोजन मंगाकर बच्चों को खिलाया। दरअसल, पिछले दिनों शिकायत मिलने पर 20 फरवरी को अधिकारी निरीक्षण करने पहुंचे थे, जरूरी दिशा निर्देश भी दिए, लेकिन बच्चों से बात नहीं की। रविवार को एसडीएम अंकिता जैन ने तहसीलदार को छात्रावास भेजकर वास्तविकता पता करने को निर्देश दिया था। तहसीलदार पहुंचे तो छठवीं के छात्र ने बताया कि सुबह उन्हें केवल दो रोटियां दी हैं। और मांगने पर मना कर दिया।

वहीं, एक अन्य छात्र ने कहा कि कई बार उन्हें भूखे ही सोना पड़ता है। शिकायत करने पर डराया-धमकाया जाता है। घर भेज देने की चेतावनी दी जाती है।बच्चों की मानें तो नाश्ते में रोज उन्हें पोहा, दोपहर में दाल-रोटी और रात में आलू-टमाटर या आलू-मटर की सब्जी मिलती है। विनीत गोयल ने बताया कि बच्चों के अनुसार उन्हें सही खाना नहीं दिया जा रहा, जली हुई रोटी दी जाती हैं। पंचनामा बनाया है, जिसे कलेक्टर को भेजा जाएगा।

भारतीयों के लिए बदलेंगे दवा के डोज, एम्स भोपाल बच्चों की खांसी समेत 4 बीमारियों के लिए बनाएगा नए मानक

भोपाल, 23 फरवरी [एजेंसी]।

किसी बीमारी के उपचार में मरीज को दवा की कितनी खुराक देनी है, यह भारत में अभी अमेरिका और यूरोप के चिकित्सा मानकों के आधार पर तय होता है। लेकिन, जल्द ही यह मानक बदलने वाले हैं। भोपाल का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अब भारतीयों की शारीरिक बनावट, खान-पान और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दवाओं के नए मानक तैयार करेगा। संस्थान का तकनीकी संसाधन केंद्र मुख्य रूप से बच्चों की खांसी, स्टेम सेल चिकित्सा, थायराइड (हाइपोथायरायडिज्म) और साइनसाइटिस यानी चार बीमारियों के उपचार के लिए राष्ट्रीय मानक विकसित करने की परियोजना पर काम कर रहा है। इसमें सटीक उपचार तो सुनिश्चित होगा ही, साइड इफेक्ट भी कम होगा। दरअसल, एम्स के विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीयों की प्रतिरोधक क्षमता व जेनेटिक संरचना यूरोपीय-अमेरीकी देशों के लोगों से अलग होती है। इसमें भारतीय मरीजों को दी जाने वाली दवा कई बार जरूरत से अधिक मात्रा में हो जाती है।

इसके साइड इफेक्ट होते हैं। कई बार ऐसी महंगी दवाएं या टेस्ट लिखे जाते हैं, जिनकी भारतीय परिस्थितियों में जरूरत ही नहीं होती।एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डा. माधवानन्द कर ने बताया कि साक्ष्य-आधारित चिकित्सा ही आधुनिक स्वास्थ्य सेवा का आधार है। हम भारतीयों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय उपचार दिशा-निर्देश तैयार कर रहे हैं। इससे न केवल इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि यह स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। पश्चिमी देशों के लोगों की तुलना में भारतीयों का मेटाबालिज्म (पाचन व ऊर्जा प्रक्रिया) अलग होता है। अक्सर दवाओं के ओवरडोज से बच्चों को नुकसान होता है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा व बैतूल जिलों में कोल्ड्रिफ ब्रांड के कफ सीरप के सेवन से 25 बच्चों की मौत हो गई थी।

मलेशिया के बोर्नियो द्वीप में शक्तिशाली भूकंप, साबाह तट पर महसूस हुए झटके

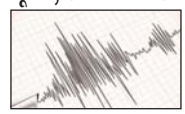

नई दिल्ली। मलेशिया के पूर्वी हिस्से में स्थित बोर्नियो द्वीप के साबाह राज्य के तट से कुछ दूर पर एक शक्तिशाली भूकंप आया। बोर्नियो द्वीप में आए भूकंप की तीव्रता 7.1 थी। भूकंप का केंद्र कोटा किनाबालू से 100 किलोमीटर पूर्वोत्तर में था।स्थानीय समयानुसर यह भूंकप 12.57 बजे आया। भूकंप की गहराई 619.8 किलोमीटर बताई जा रही है।अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्त्रस) के मुताबिक, भूकंप जमीन की सतह से करीब 619.8 किलोमीटर की गहराई में था। गहराई ज्यादा होने के चलते इस भूकंप से बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की संभावना कम है। फिलहाल भूकंप को लेकर किसी तरह के सुनामी की चेतावनी नहीं जारी की गई है।मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भूकंप काफी गहराई में आया था, इसलिए समुद्र में बड़ी लहरें उठने की संभावना नहीं है।बता दें कि यह भूकंप रविवार रात उस वक्त आया जब ज्यादातर लोग सो रहे थे। स्थानीय निवासियों ने हल्के से मध्यम स्तर के कंपन महसूस किए हैं।

फिलहाल किसी तरह की कोई इमरजेंसी नहीं घोषित की गई है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। फिलहाल मलेशिया के मौसम विभाग और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां स्थिति पर नजर रख रही हैं।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर फंसे लोगों को मिलेगा टोल-रिफंड, 33 घंटे तक फंसीं थीं 1 लाख से ज्यादा गाड़ियां

मुंबई, 23 फरवरी [एजेंसी]।

महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर गैस टैंकर दुर्घटना के बाद 33 घंटे जाम में फंसे वाहन चालकों से वसूली गई टोल की राशि को वापस करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से जाम में फंसे लगभग एक लाख लोगों को लाभ मिलेगा।तीन फरवरी को एक्सप्रेस वे के खोपोली खंड पर एक गैस टैंकर के पलटने से लगभग 33 घंटे तक यातायात ठप रहा था। इस कारण कई किलोमीटर तक यातायात बाधित रहा। जाम के चलते कई वाहन चालकों और यात्रियों को पानी, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा था।

दुर्घटना के बाद प्रशासन ने टोल वसूली को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया था। हालांकि, तब तक कई वाहन चालकों के फास्टैग खातों से टोल शुल्क पहले ही काटे जा चुके थे। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि टोल वसूली रोकने का आदेश जारी होने के बावजूद वाहन मालिकों से वसूल की गई पूरी राशि वापस करने का निर्णय लिया गया है।लगभग 5.16 करोड़ रुपये की यह वापसी राशि एमएसआरडीसी द्वारा भुगतान की जाएगी। यह राशि अगले कुछ दिनों में प्रभावित वाहन मालिकों के फास्टैग खातों में सीधे जमा कर दी जाएगी।

दिल्ली में हार्ट अटैक बताकर शवदाह गृह लाए थे शव गले पर निशान देख पंडित ने बुला ली पुलिस, जांच शुरू

पूर्वी दिल्ली, 23 फरवरी [एजेंसी]।

हर्ष विहार के शवदाह गृह में रविवार को एक पंडित ने एक शव के गले पर निशान देखकर अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। इससे वहां हंगामा हो गया। पंडित ने पुलिस को सूचना देकर बुला लिया। जांच में पता चला कि युवक ने घरेलू विवाद में खुदकुशी की थी। परिवार ने उसे हार्ट अटैक दिखाने की कोशिश की। भारत उर्फ कालू के शव को हर्ष विहार थाना पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।भारत अपने परिवार के साथ हर्ष विहार में रहते थे। वह पेशे से एक कंपनी में सुरक्षा गार्ड थे। मृतक के परिवार ने बताया कि भारत की ससुराल कोंडली में है। 20 फरवरी को भारत की साली की शादी थी। वह अपने परिवार के साथ ससुराल शादी में गए हुए थे। परिवार ने आरोप लगाया कि 22 फरवरी की सुबह छह बजे भारत के ससुराल से फोन आया कि हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। करीब सात बजे वह शव लेकर घर आ गए।कुछ देर के बाद परिवार के लोग हर्ष विहार के शवदाह गृह में संस्कार के लिए पहुंचे। पंडित जैसे ही अंतिम संस्कार के लिए चले, उन्होंने कपड़ा हटाया तो शव के गले पर निशान थे। शक होने पर उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया।मृतक की पत्नी से पूछताछ की तो उसने कहा कि उन्होंने इसलिए झूठ बोला कि अंतिम संस्कार न हो। रविवार सुबह उनके पति का शव कमरे में चुन्नी के सहारे लटका हुआ मिला। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा युवक ने खुदकुशी की थी या उसकी हत्या हुई है।

एटीएस ने कोलकाता से 5 अफगानियों को किया गिरफ्तार, जबलपुर के पते पर बनवाए थे फर्जी पासपोर्ट

कोलकाता, 23 फरवरी [एजेंसी]।

गलत पते और दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवा कर देश में रहने वाले पांच और अफगानियों को एटीएस (एंटी टेरेरिस्ट स्क्वायड) की टीम ने रविवार को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया। सभी को जबलपुर लाया गया है। आरोपितों को न्यायालय में रविवार को पेश कर 25 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इसके पूर्व एटीएस फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले तीन अफगानियों और उनकी मदद करने वाले तीन अन्य यानी कुछ छह आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार किए गए अफगानियों में जिया उल रहमान, सुल्तान मोहम्मद, रजा खान, सैयद मोहम्मद, जफर खान हैं। ये पांचों कई साल पहले भारत आए और कोलकाता में सूदखोरी का धंधा करे थे। इन्होंने जबलपुर में रहने वाले अफगानी सोहबत खान के माध्यम से अपने फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाए थे। एटीएस ने इससे पहले अगस्त 2025 में जबलपुर में सोहबत खान को पकड़ा था। उसके पास से फर्जी भारतीय पासपोर्ट मिला था। उसकी निशानदेही पर कोलकाता निवासी मोहम्मद इकबाल और अकबर को भी गिरफ्तार किया था। सोहबत ने जबलपुर के कथित अधिवक्ता चंदन सिंह, वन रक्षक दिनेश गर्ग और महेश कुमार सुखदान के साथ मिलकर इन तीनों के भी फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाए थे।भारत आने के बाद ये अफगानी कोलकाता में ही रह रहे थे। इस दौरान उन्हें सोहबत के बारे में पता चला, जो फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाता था। उन्होंने उससे संपर्क किया, जिसके बाद सोहबत ने प्रति पासपोर्ट ढाई लाख रुपये लिए और जबलपुर में उनके फर्जी दस्तावेज तैयार कराए।सोहबत ने 2024 में पांचों को शहर बुलाया और पीओपीएसके (पोस्ट आफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र) में उनकी फोटो खिंचवाई। दस्तावेज की जांच कराने के बाद पांचों को रवाना कर दिया। सोहबत ने ही पासपोर्ट को डाकघर से लिए और फिर पांचों को भेजा।

AI समिट के विरोध ने MP में भड़काई सियासत

भोपाल, इंदौर में भिड़े BJYM-कांग्रेस कार्यकर्ता, पथराव में 11 घायल

भोपाल। दिल्ली की एआई इम्पैक्ट समिट में युवा कांग्रेस के अर्धनग्न होकर किए गए प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) कार्यकर्ताओं ने भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के साथ ही जिला कांग्रेस कार्यालयों पर हंगामा किया तो कांग्रेसियों ने उनका टकराव हो गया। भोपाल और इंदौर में दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर पथराव किया। इसमें कई लोगों के चोट आई। भोपाल और इंदौर में 11 लोगों घायल हो गए।भोपाल में इंदिरा भवन स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे भाजयुमो कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश में वहां मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़ गए।

दोनों ने एक-दूसरे पर जूते-चप्पल और गमले फेंके। पुलिस ने किसी तरह प्रदर्शनकारियों को कार्यालय से बाहर निकाला। उसके बाद सड़क पर खड़े प्रदर्शनकारी पथराव करने लगे। जवाब में कार्यालय के भीतर से कांग्रेसियो ने भी पत्थर फेंके। करीब छह लोग घायल हुए हैं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) गोपिल कोतवाल का सिर फूट गया। वह आईसीयू में भर्ती हैं। भाजयुमो के जिला मंत्री मोहित अग्निहोत्री की नाक की हड्डी टूट गई। घटना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लिंक रोड नंबर एक पर बैठकर प्रदर्शन किया।

वैश्विक मंच पर अर्धनग्न प्रदर्शन खेदजनक शिक्षाविदों ने युवा कांग्रेस के विरोध की कड़ी निंदा की

नईदिल्ली, 23 फरवरी [एजेंसी]।

भारतीय युवा कांग्रेस के प्रतिष्ठित एआई समिट स्थल पर बिना शर्ट के विरोध-प्रदर्शन करने की आलोचना की गई है। विद्वानों और शिक्षकों ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रम में व्यवधान न केवल खराब फैसला था, बल्कि राष्ट्रीय हितों के खिलाफ भी है। एआई इम्पैक्ट समिट भारत की दुनिया को यह घोषणा थी कि भारत चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में एक गंभीर और संप्रभु तकनीकी शक्ति के रूप में उभरा है और आईवाईसी का हालिया प्रदर्शन गंभीर रूप से खेदजनक और गलत सोच का परिणाम है।प्रमुख शिक्षाविदों ने रविवार को संयुक्त बयान जारी कर भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों के एआई कार्यक्रम के खिलाफ विरोध करने के दुर्भाग्यपूर्ण और असंवेदनशील तरीके पर खेद प्रकट किया। 100 से अधिक शिक्षाविदों के हस्ताक्षरित संयुक्त बयान में कहा गया कि वास्तव में भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करता है, जिसे नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी इंडेक्स के अनुसार भारत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है (केवल अमेरिका और चीन के पीछे) जो अनुसंधान उत्पादन, प्रतिभा विकास और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

भारत इस शीर्ष स्तर में प्रवेश करने वाला पहला ग्लोबल साउथ देश है। उन्होंने कहा कि यह न तो एक पक्षपाती मंच था और न ही घरेलू राजनीतिक प्रचार का स्थल। एक अंतरराष्ट्रीय मंच को राजनीतिक प्रदर्शन के अवसर में बदलना गंभीर निर्णय की कमी और वैध लोकतांत्रिक असहमति और वैश्विक मंच पर राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की रक्षा के बीच अंतर करने में असमर्थता को दर्शाता है। बयान में कुमाऊं विश्वविद्यालय, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति, पेरियार विश्वविद्यालय, मणिपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और देशभर के विभिन्न संस्थानों के कई प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और शोध छात्र शामिल हैं।

लुधियाना में बनेगा देश का पहला हाईवे पार्किंग प्रोजेक्ट 750 गाड़ियों की होगी क्षमता, NHAI ने दी मंजूरी

लुधियाना, 23 फरवरी [एजेंसी]।

महानगर लुधियाना देश में पहला ऐसा महानगर बनने जा रहा है, जिसमें नेशनल हाईवे (फिरोजपुर रोड) के दोनों तरफ लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग बनाई जाएगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की तरफ से भारत नगर चौक से लेकर सिधवां कैनाल तक बनने वाली इस परियोजना पर सहमति दे दी गई है।रविवार को निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा ने इस परियोजना का शुभारंभ किया। लुधियाना में यह योजना एक पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर किया जा रहा है, यहां पर कामयाबी मिलने के बाद इसे आगे पूरे देश में लागू किया जाएगा। इस साल के अंत तक पार्किंग बनने के बाद फिरोजपुर रोड के दोनों तरफ लगभग 750 गाड़ियों को पार्क किया जा सकेगा।इससे डीसी दफ्तर के अलावा घुमार मंडी में पार्किंग समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। अब घुमार मंडी में खरीदारी करने आने वाले वाहन चालक इस पार्किंग का आसानी से इस्तेमाल कर सकेंगे। लोगों से वाहन खड़े करने का शुल्क लिया जाएगा।गौरतलब है कि फिरोजपुर रोड के साथ घुमार मंडी सहित अन्य बाजारों में इस समय पार्किंग एक बड़ी समस्या बन चुका है। इस समस्या के हल के लिए लंबे समय से फिरोजपुर रोड के साथ पार्किंग की मांग की जा रही थी। दिवंगत विधायक गुरप्रीत गोगी ने फिरोजपुर रोड के बीच खाली जगह पर पार्किंग बनाने की मांग रखी थी, जिसे एनएचएआई ने ठुकरा दिया था।

एनएचएआई अधिकारियों का कहना था कि इससे फिरोजपुर रोड पर हादसे बढ़ जाएंगे। लोगों की इस समस्या को लेकर निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा लंबे समय से एनएचएआई अधिकारियों के समक्ष उठा रहे थे। इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से सामने उठाया, जिसका नतीजा निकला कि देश में पहली बार किसी नेशनल हाईवे के साथ पार्किंग सुविधा को बनाया जा रहा है। फिरोजपुर रोड के साथ लगभग 15 से 20 फुट खाली एरिया में इस पार्किंग को बनाया जाएगा। भारत नगर चौक से लेकर सिधवां कैनाल तक लगभग अढ़ाई किलोमीटर लंबी फिरोजपुर रोड के दोनों तरफ पार्किंग को बनाया जाएगा। इस पार्किंग के बनने से सबसे ज्यादा फायदा घुमारमंडी में खरीदारी करने आने वाले लोगों को रहेगा, क्योंकि घुमार मंडी में पार्किंग नहीं होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। आरती चौक से लेकर भाई बाला चौक तक घुमार मंडी को दो सड़कें जाती हैं। नई पार्किंग में गाड़ी पार्क करने के बाद लोग आसानी से पैदल चलकर घुमारमंडी में खरीदारी करने जा सकते हैं। इससे केवल लोगों को नहीं बल्कि घुमार मंडी दुकानदार को भी फायदा होगा। भाई बाला चौक से लेकर डीसी दफ्तर तक रानी झांसी रोड को तीन सड़कें सीधी जाती हैं। ऐसे में लोग पार्किंग में वाहन पार्क कर आसानी से खरीदारी के लिए जा सकते हैं। वहीं डीसी दफ्तर में पार्किंग की कमी रहती है, इसलिए डीसी दफ्तर के सामने पार्किंग बनने से भी लोगों को बड़ी राहत होगी।

आरती चौक से लेकर यस बैंक तक पार्किंग की जगह न होने के चलते लोग इधर उधर वाहन पार्क कर रहे हैं। इस पार्किंग के निर्माण होने से यहां पर सब कुछ व्यवस्थित रहेगा। लोगों अपने वाहनों की सुरक्षित पार्क कर सकेंगे।यहां बता दें कि यह परियोजना पूरी तरह से बिल्ट ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओटी) तर्ज पर बनाई जा रही है। इस पार्किंग के निर्माण पर आने वाला सारा खर्च कंपनी की तरफ से वहन किया जाएगा। यहां पर पार्क होने वाले वाहनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कंपनी की रहेगी। कंपनी 10 साल इस पार्किंग को चलाएगी। इसके बाद इसे ट्रांसफर कर दिया जाएगा। कंपनी की तरफ से पार्किंग एरिया में कियोस्क बनाए जाएंगे, जिनका इस्तेमाल वह अपने निजी प्रयोग के लिए कर सकता है। वहीं आम पब्लिक के खाने के पीने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। कंपनी यहां पर विज्ञापन बोर्ड लगाकर अपनी कमाई का साधन बना सकती है।

सहजन के फूलों से भी बनाए जा सकते हैं कई लजीज पकवान, जानिए आसान रेसिपी

सहजन का इस्तेमाल खान-पान में खास तौर से किया जाता है। हालांकि, इसके फूलों को जल्दी उपयोग नहीं किया जाता। ये फूल न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। सहजन के फूलों में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। आइए आज हम आपको सहजन के फूलों से बनने वाले कुछ खास व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप अपने घर पर आसानी से बना सकते हैं।

सहजन के फूलों की टिक्की

सहजन के फूलों की टिक्की एक बेहतरीन नाश्ता है, जिसे आप शाम की चाय के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आलू को मैश करें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। अब इस मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्कियां बनाकर तवे पर सेंकें या तेल में तलें। ये टिक्कियां कुरकुरी और स्वादिष्ट होती हैं, जो हर किसी को पसंद आती हैं।

सहजन के फूलों की सब्जी

सहजन के फूलों की सब्जी एक अनोखा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर और मसालों का तड़का लगाएं। इसके बाद इसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और उन्हें पकने दें। इस सब्जी को धीमी आंच पर पकाएं, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसे रोटी या चावल के साथ खाया जा सकता है। आप इसमें सहजन के पौधे के अन्य हिस्से भी डाल सकते हैं।

सहजन के फूलों की चटनी

अगर आप अपने खाने में कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो सहजन के फूलों की चटनी जरूर बनाएं। इसके लिए सबसे पहले सूखे नारियल को भून लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक और नमक मिलाकर पीस लें। इस चटनी को दाल-रोटी या पराठे के साथ खाया जा सकता है। यह चटनी आपके खाने का स्वाद बढ़ा देगी और उसके पोषण मूल्य को भी बढ़ा देगी।

सहजन के फूलों की खीर

खीर तो आपने कई तरह की खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी सहजन के फूलों की खीर चखकर देखी है? अगर नहीं तो इसे एक बार जरूर बनाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध उबालें, फिर उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल डालें और पकने दें। अब इसमें चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। इस खीर को ठंडा करके परोसें और ऊपर से मेवे डालना न भूलें।

सहजन के फूलों का रायता-रायता खाने के साथ एक अच्छा संगत होता है। सहजन के फूलों का रायता बनाने के लिए दही को फेंट लें। इसके बाद उसमें बारीक कटे हुए सहजन के फूल, भूना हुआ जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा-सा काला नमक मिलाएं। इस रायते को ठंडा करके अपने खाने के साथ परोसें। यह रायता आपके खाने को और भी खास बना देगा और पेट को भी फायदा पहुंचाएगा। आप इसमें अन्य सब्जियां भी डाल सकते हैं।

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स की अगली भव्य फ़ीचर फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स ने अपनी आगामी फ़ीचर फ़िल्म की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिसमें पैन-साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री अनूपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी। यह एक सघन मनोवैज्ञानिक थ्रिलर होगी, जिसका निर्देशन शान करेंगे और निर्माण शिविन नरंग, प्रेरणा अरोड़ा और किरण बल्लापल्ली द्वारा एक अग्रणी स्टूडियो के सहयोग से किया जाएगा। यह फ़िल्म निर्देशक शान के साथ अनूपमा परमेश्वरन की बड़े पर्दे पर वापसी का प्रतीक है। इससे पहले दोनों की लघु फ़िल्म को जबरदस्त सराहना मिली थी। डिजिटल मंच पर मिली उस सफलता के बाद अब यह सहयोग एक पूर्ण रूप से सिनेमाई अनुभव में परिवर्तित हो रहा है, जिसमें व्यापक पैमाना, गहराई और प्रभाव देखने को मिलेगा। फ़िल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने वाली है, जबकि शीर्षक की घोषणा बाद में की जाएगी। इस परियोजना की घोषणा अनूपमा परमेश्वरन के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिससे यह पल और भी विशेष बन गया। निर्माताओं ने अभिनेत्री को शुभकामनाएँ देते हुए एक भावनात्मक और सशक्त सिनेमाई यात्रा की झलक भी पेश की।

इस सहयोग पर अपनी बात रखते हुए निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा,इस फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास है। उनमें सहज आत्मविश्वास, भावनात्मक सच्चाई और पात्रों को गहराई से समझने की दुर्लभ क्षमता है, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों से सीधे जुड़ती है। अलग-अलग भाषाओं में दर्शकों के साथ उनका स्वाभाविक जुड़ाव मैंने हमेशा सराहा है। यह परियोजना उनके अभिनय की ताक़त को नए स्तर पर प्रस्तुत करने का एक आदर्श मंच है। उन्हें इस फ़िल्म का नेतृत्व करते हुए देखकर मैं सचमुच उत्साहित हूँ और इस रचनात्मक यात्रा की शुरुआत का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ। एस के जी एंटरटेनमेंट ने हाल ही में जटाधारा रिलीज़ की है, जिससे उसके विविध और मज़बूत प्रोडक्शन स्लेट को और मजबूती मिली है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित निर्माता प्रेरणा अरोड़ा इससे पहले रुस्तम, टॉयलेट- एक प्रेम कथा, पैड मैन और परी जैसी चर्चित फ़िल्मों का निर्माण कर चुकी हैं और निरंतर कंटेंट-प्रधान तथा दर्शक-केंद्रित सिनेमा का समर्थन करती रही हैं। अनूपमा परमेश्वरन आज दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा और मांग में रहने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। प्रेमम, कार्तिकेय 2, डीजे टिल्लू और राक्षसुडु जैसी फ़िल्मों में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली है। वे तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में लगातार दर्शकों का दिल जीतती आ रही हैं और पैन-इंडियन पहचान बनाए हुए हैं।

मजबूत शैली, अनुभवी रचनात्मक टीम और केंद्रीय भूमिका में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, अनूपमा परमेश्वरन और प्रेरणा अरोड़ा का यह सहयोग दर्शकों के लिए एक यादगार और रोमांचक सिनेमाई अनुभव लेकर आने के लिए तैयार है।

हैंडबैग का इस तरह से रखें ध्यान, लंबे समय तक रहेंगे सही

हैंडबैग न केवल हमारे सामान को समेटने का काम करता है, बल्कि हमारे लुक को भी पूरा करता है। हालांकि, अक्सर हम इसे इस्तेमाल करने के बाद यूं ही कहीं रख देते हैं और इसका सही तरीके से ख्याल नहीं रखते। इससे इसकी चमक और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान उपाय बताते हैं, जिनकी मदद से आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रख सकते हैं।

हैंडबैग को साफ रखें

हैंडबैग को साफ रखना बहुत जरूरी है। अगर आपके हैंडबैग पर कोई दाग या गंदगी लग गई है तो उसे तुरंत साफ करें। इसके लिए आप हल्के साबुन और पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ध्यान रखें कि ज्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे बैग का आकार बिगड़ सकता है। अगर आपका हैंडबैग चमड़े का है तो उसे साफ करने के लिए खास चमड़े का सफाई करने वाला पदार्थ इस्तेमाल करें।

सही तरीके से रखें

हैंडबैग को सही तरीके से रखना भी जरूरी है। अगर आप अपने हैंडबैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें। इसे किसी ठंडी और सूखी जगह पर रखें ताकि नमी और धूल से बचा जा सके। अगर आपके पास हैंडबैग के लिए खास डिब्बा हो तो उसमें रखें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और ये लंबे समय तक सही रहेगा।

भारी सामान न रखें

हैंडबैग में भारी सामान रखने से इसका आकार बिगड़ सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए हमेशा अपने हैंडबैग में हल्का और जरूरी सामान ही रखें। भारी किताबें या लैपटॉप जैसे भारी सामान को अलग बैग में रखें ताकि आपके हैंडबैग का आकार बना रहे और यह लंबे समय तक सही रहे। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी और यह लंबे समय तक सही रहेगा।

धूप से बचाएं

धूप में लंबे समय तक रखने से आपके हैंडबैग की चमक फीकी पड़ सकती है इसलिए इसे धूप से बचाकर रखें। जब भी आपका बैग न पहनने वाला हो तो उसे किसी बंद दराज या डिब्बे में रखें ताकि धूल-मिट्टी और धूप से बचा रहे। अगर आप अपने बैग को लंबे समय तक सही रखना चाहते हैं तो उसे सही जगह पर रखें और समय-समय पर साफ करते रहें। इससे आपके बैग की चमक और गुणवत्ता बनी रहेगी।

नियमित रूप से जांचें

अपने बैग की नियमित रूप से जांच करना जरूरी है ताकि किसी भी तरह की समस्या समय रहते हल हो सके। समय-समय पर बैग की सिलाई, हैंडल और जिपर्स आदि की जांच करते रहें ताकि कोई टूट-फूट न हो।

अगर कहीं सिलाई ढीली हो रही हो तो उसे तुरंत ठीक कर लें। इसके अलावा बैग को समय-समय पर साफ करते रहें ताकि उसकी चमक और गुणवत्ता बनी रहे।

ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा। उन्होंने इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह उनसे संपर्क करने में हिचकिचाएं नहीं। आम धारणा है कि बड़े एक्टर्स से अप्रोच करना मुश्किल होता है, लेकिन ऋचा ने इसे गलत बताया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, एक सोच है कि हमसे संपर्क करना कठिन है, लेकिन यह सच नहीं। मेरे लिए सिर्फ अच्छी स्क्रिप्ट, सच्ची राइटिंग और कहानी का असर मायने रखता है। मैं हमेशा सही कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं। ऋचा ने शुरुआती दिनों में कम आंके जाने की बात भी कही। वह चाहती हैं कि इंडी क्रिएटर्स बिना झिझक के अच्छे रोल और कहानियों के लिए संपर्क करें। ऋचा एक नई नॉन-फिक्शन सीरीज का निर्माण कर रही हैं। इसके जरिए ऋचा का मकसद दर्शकों को जानी-पहचानी जगहों को नई नजर से देखने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही कम जानी-पहचानी कहानियों को उजागर कर भारत की सांस्कृतिक गहराई और इंसानी जज्बे को सेलिब्रेट करना है। यह सीरीज ट्रैवल, कल्चर और भारत भर में लोगों और जगहों को परिभाषित करने वाली कहानियों पर आधारित होगी। यह जिज्ञासा और सहानुभूति से प्रेरित कहानी है।

सू- दोकू क्र.324

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.323 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

शब्द सामर्थ्य - 324

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रूप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानदंड, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4				5
		6				7		
8	9			10	11			
			12		13			
14			15					
	16						17	18
19			20	21	22		23	
		24		25		26		
27						28		

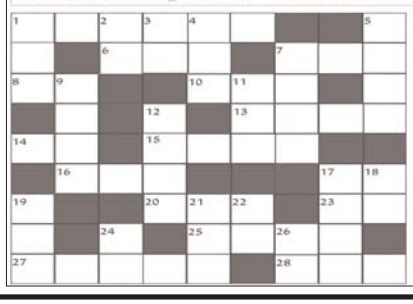

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 323 का हल

भू	कं	प		फा	य	दा		स
प		ल	ला	ट		य	ती	म
ति	ल	क		क	न	क		झ
	क्ष्म				रे			
ग	ण	क		सं	श	य		सौ
ह		या	च	क		म	न्न	त
रा	क्ष	स		र	क्ष	क		न
	त्रि				मि			
शा	य	री		का	त	र		गो

नानी की आने वाली फिल्म द पैराडाइज पहला गाना आया

नानी की आने वाली फिल्म द पैराडाइज, जिसे श्रीकांत ओडेला ने डायरेक्ट किया है, फैंस के बीच चर्चा बटोर रही है। फिल्म का पहला सिंगल, आया शेर, नानी के जन्मदिन, 24 फरवरी को रिलीज़ होने वाला है, और इसमें उनके सबसे बड़े डांस मोमेंट्स होने का वादा है। खबर है कि यह गाना नानी के लिए बनाया गया सबसे महंगा गाना है, जिसे बहुत सारे डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े पैमाने पर फिल्माया गया है। गाने की शूटिंग पूरी हो गई है, और अनिरुद्ध ने एक ज़बरदस्त ट्रैक दिया है जो रोंगटे खड़े कर देगा। आया शेर को सुंदरम मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है और यह एक शानदार विज़ुअल होने का वादा करता है। उम्मीद है कि यह ट्रैक फिल्म की चर्चा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, और फैंस इसके रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि नानी के डांस मूव्स गाने की खासियत हैं।

छत्तीसगढ़ की रेत को माफिया भेज रहे एमपी यूपी, जिम्मेदार बने अनजान

एमसीबी जिले के केवई,ओदारी,मवई नदी से रेत का अवैध उतखनन जारी

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले में जिम्मेदारों के अनजान बने रहने से इन दिनों रेत माफियाओं के हौसला बुलंद है। जिले के सीमावर्ती नदियों केवई, ओदारी, मवई नदी में रेत तस्कर एनजीटी नियमों का खुलेआम उल्लंघन करते हुए पोकलेन और जेसीबी मशीनों से रेत का अवैध उतखनन कर बड़ी बड़ी वाहनों में भरकर परिवहन करते हुए मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश भेज रहे है।

एमसीबी जिले के मध्य प्रदेश की सीमा से लगी हुई सीमावर्ती नदियों ग्राम पंचायत केल्हारी के बिछ्याटोला स्थित केवई नदी, ग्राम पंचायत मलकडोल और ग्राम पंचायत घटई स्थित ओदारी नदी, ग्राम पंचायत हरचोका स्थित मवई नदी से रेत माफिया खुलेआम पोकलेन और जेसीबी मशीन से नदी का सीना छलनी कर रेत का अवैध तरीके से उतखनन कर रहे है। जिससे नदी में बड़े बड़े जानलेवा गड्ढे बनते जा रहे है। वहीं जिले के प्रशासन और विभागीय जिम्मेदार अधिकारी अनजान बनकर मुख्यालय में बैठे रहते है। केवई, ओदारी, मवई सीमावर्ती नदियाँ है, ये नदियाँ मध्य प्रदेश की सीमा से लगे हुए है। जिससे रेत माफिया छत्तीसगढ़ की सीमा से पोकलेन और जेसीबी मशीन से रेत निकाल कर बड़ी बड़ी वाहनों से परिवहन कर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ले जाकर भारी कीमतों में बेंच रहे हैं। रेत माफिया इन नदियों तक वाहनों को आसानी से पहुंचने के लिए नदी के भीतर तक मिट्टी मुरूम की सड़क बनाई गई है। वहीं रेत मफिया पोकलेन और जेसीबी मशीनों को नदी में उतारकर मशीनों से 05 से 06 मीटर गहरी खुदाई कर नदी के पानी का बहाव को प्रभावित कर एनजीटी के नियमों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ा रहे है। वहीं रेत माफियाओं पर कार्यवाही नहीं होने से क्षेत्र के ग्रामीणजनों में शासन, प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है।

परिवारवाद पर प्रहार: मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का कड़ा फैसला, एमसीबी में 'छद्म राजनीति' पर पूर्ण विराम

मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़ की राजनीति में महिला सशक्तिकरण को लेकर चल रही बहस के बीच स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने एक ऐसा प्रशासनिक निर्णय लिया है, जिसने पूरे प्रदेश का ध्यान आकर्षित किया है। मंत्री ने मनेंद्रगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा सरजू यादव के पति सरजू यादव को विधायक प्रतिनिधि के पद से तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया है। उनकी जगह संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता महेंद्र पाल सिंह को दायित्व सौंपा गया है। यह निर्णय केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि 'प्रॉक्सी पॉलिटिक्स' की प्रवृत्ति पर सीधा प्रहार माना जा रहा है।

स्थानीय निकायों में अक्सर देखा गया है कि महिला जनप्रतिनिधियों के निर्वाचित होने के बाद उनके पति या परिजन ही अनौपचारिक रूप से सत्ता संचालन करने लगते हैं। इससे महिला नेतृत्व की स्वतंत्र भूमिका प्रभावित होती है और सत्ता का केंद्रीकरण एक ही परिवार तक सीमित हो जाता है तथा पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठते हैं। शासन स्तर पर स्पष्ट निर्देश हैं कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के कार्यों में उनके परिजनों का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप न हो। मंत्री जायसवाल का निर्णय इसी नीति के अनुरूप बताया जा रहा है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिला, जो मंत्री का गृह जिला भी है, अब नगरीय निकायों में 'प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व' से मुक्त बताया जा रहा है। मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले निकायों में प्रतिनिधियों की नियुक्ति संगठनात्मक मानकों के आधार पर की गई है। चिरमिरी नगर निगम में अधिकृत विधायक प्रतिनिधि राजकुमार उर्फ राजू नायक कार्य देख रहे हैं वही झगराखांड, नई लेदरी, खोंगापानी और जनकपुर नगर पंचायतों में भी नियमों के अनुरूप व्यवस्था लागू की गई है। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम अन्य जिलों के लिए भी उदाहरण बन सकता है राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सरजू यादव मंत्री के करीबी माने जाते थे। इसके बावजूद पद से हटाया जाना यह संकेत देता है कि मंत्री ने रिश्तों से ऊपर नियमों को प्राथमिकता दी है। इस फैसले से संगठन के जमीनी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। उनका मानना है कि अब परिवारवाद के बजाय सक्रियता और निष्ठा को महत्व मिलेगा। मंत्री का स्पष्ट संदेश है कि महिला जनप्रतिनिधियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। यदि सत्ता संचालन परोक्ष रूप से परिजनों के हाथ में रहेगा तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होगी। यह निर्णय प्रशासनिक शुचिता, पारदर्शिता और राजनीतिक जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। एमसीबी जिले में लिया गया यह फैसला केवल स्थानीय राजनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि शासन की उस सोच का संकेत है जिसमें महिला नेतृत्व को वास्तविक अधिकार देने और परिवार आधारित हस्तक्षेप को समाप्त करने की प्रतिबद्धता दिखाई देती है। आने वाले समय में यह मॉडल अन्य जिलों में भी लागू होता है या नहीं, इस पर सबकी नजर रहेगी।

गैर-संचारी रोगों पर पहली विचार संगोष्ठी का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। यूनिसेफ छत्तीसगढ़ और एमसीसीआर ट्रस्ट रायपुर के सहयोग से कोरिया जिला में गैर-संचारी रोगों पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य गैर-संचारी रोगों जैसे हृदय संबंधी समस्याएं, सिकल सेल रोग, बाल-मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य आदि के प्रति लोगों को जागरूक करना और इन बीमारियों की रोकथाम के लिए व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना था। इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी का नेतृत्व डॉ. गजेंद्र सिंह, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, यूनिसेफ ने किया। संचालक डॉ. डी. श्याम कुमार, एमसीसीआर ट्रस्ट, डॉ. श्वेताभ त्रिपाठी स्वास्थ्य अधिकारी, यूनिसेफ और श्रीमती सुरभि शुक्ला ने भाग लिया। संगोष्ठी में बताया गया कि गैर-संचारी रोगों से हर वर्ष 4.1 करोड़ मौतें होती हैं, जिसमें भारत का 64% हिस्सा है। सिकल सेल रोग के प्रसार को रोकने के लिए विवाह पूर्व सिकलिंग टेस्ट कराने की सलाह दी गई। संगोष्ठी में धार्मिक संगठन, समाज प्रमुखों और स्वास्थ्य विभाग का सहयोग प्राप्त हुआ। इस संगोष्ठी के माध्यम से गैर-संचारी रोगों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और इन बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया गया। जिसमें जिले के अलग अलग समाज से आए समाज प्रमुखों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

लापरवाही पर चार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस, जनपद सीईओ का प्रभार बदला

कोरिया बैकुंठपुर। विगत दिनों कोरिया महोत्सव पर आयोजित लोकार्पण एवं भूमि पूजन कार्यक्रम के उपरांत व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं। कार्यक्रम में उपयोग किए गए शिलालेखों के सुरक्षित संधारण में लापरवाही बरतने को लेकर लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंताओं, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैकुंठपुर तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैकुंठपुर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में प्रशासनिक व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करते हुए जनपद पंचायत, बैकुंठपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ खैरवार को आगामी आदेश तक जिला पंचायत, बैकुंठपुर में पदस्थ किया गया है, वहीं अलेक्जेण्डर पन्ना को आगामी आदेश तक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायती बैकुण्ठपुर का अस्थायी प्रभार सौंपा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यक्रमों में जवाबदेही और अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता।

चिरमिरी में नशे के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा

अवैध महुआ शराब जब्त, एक महिला गिरफ्तार

एमसीबी/चिरमिरी। जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत चिरमिरी पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्यवाही करते हुए 10 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से महुआ शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए संदिग्ध महिला की घेराबंदी कर उसे पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लगभग 10 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की गई जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि यह कार्यवाही क्षेत्र में चलाये जा रहे 'नशा मुक्त अभियान' के तहत की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने से ना केवल अपराधों में कमी आयेगी बल्कि युवाओं को भी नशे की गिरफ्त में जाने से बचाया जा सकेगा। चिरमिरी पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब या अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें ताकि समय रहते उचित कार्यवाही की जा सके।

अस्पताल में हंगामा कर डॉक्टर से किया मारपीट, आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के बोड़ला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर घटना सामने आई है, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ एक युवक द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका डॉक्टर और अस्पताल स्टाफसे विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था और इलाज को लेकर कर्मचारियों से बहस करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने डॉक्टर के साथ हाथापाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ भी धक्का-मुक्की किए जाने की बात सामने आई है। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और वहां मौजूद मरीजों व उनके परिजनों में भय का माहौल बन गया। अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और लोगों ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित करते हुए आरोपी को काबू में किया।

श्रमदान से बदली तस्वीरःसूखे परिसर में खिला हरियाली का नया अध्याय

कोल टब में पुष्प वाटिका, स्वनिर्मित झरने से शीतलता का एहसास

कोरिया चरचा कॉलरी। जहाँ कभी सूखा और नीरस वातावरण दिखाई देता था, आज वहीं हरियाली, रंग-बिरंगे पुष्पों और कल-कल बहते जल की मधुर ध्वनि से सुसज्जित एक सुंदर, सुव्यवस्थित परिसर लोगों का मन मोह रहा है। एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के रेस्क्यू विभाग के कर्मियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि उनका दायित्व केवल कोयला उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सृजनात्मक पहल भी उनकी कार्यसंस्कृति का हिस्सा है।वर्ष 1990 के दशक में निर्मित रेस्क्यू कार्यालय परिसर में पिछले 36 वर्षों से कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ था। सब कुछ यथावत चल रहा था। किन्तु वर्तमान क्षेत्रीय महाप्रबंधक बी.एन. झा के मार्गदर्शन में रेस्क्यू विभाग के कर्मियों ने स्वयं के श्रमदान और सहयोग से परिसर की सूरत ही बदल दी।

कोयला खदानों में खान के अंदर कोयला परिवहन व अन्य सामान लाने ले जाने हेतु प्रयुक्त होने वाला लोहे का कोल टब, जो पहले केवल कोयला ढोने के काम आता था, अब उसमें मिट्टी भरकर विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे फूल लगाए गए हैं। जो टब कभी अनुपयोगी प्रतीत होता था, आज वह सृजनात्मक सोच और पुनःउपयोग (रीसाइक्लिंग) का सुंदर उदाहरण बन गया है। रेस्क्यू कार्यालय परिसर में कर्मियों ने स्वयं एक आकर्षक कृत्रिम झरने का निर्माण किया है। इसमें खदानों से निकलने वाले बेकार पत्थरों का अत्यंत सुंदर उपयोग किया गया है।

झरने से बहते जल की मधुर ध्वनि और चारों ओर खिले रंगीन पुष्प वातावरण को अत्यंत मनोहारी बना देते हैं। यह दृश्य न केवल कर्मचारियों बल्कि आगंतुकों को भी आकर्षित करता है। इस सराहनीय पहल में रेस्क्यू कार्यालय प्रभारी सुशील कुमार के साथ कर्मी सुनील वर्गीस, देवेंद्र जायसवाल , रामसुंदर राजवाड़े ,मोहर साय ,जयकरण राजेश नामदेव ,मोहम्मद ताहिर, विजय खटीक, आशीष शुक्ला, अखिलेश प्रसाद ,महिला कर्मचारी अनूपा, रानी ,नीरा ,शांति, का विशेष योगदान रहा। विशेष रूप से तकनीकी कार्यों में सुनील वर्गीस की भूमिका अत्यंत प्रशंसनीय रही। उनकी पहल और सकारात्मक सोच ने इस विचार को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेस्क्यू विभाग के इन कर्मियों ने यह साबित कर दिया कि वे केवल वेतन के लिए कार्य नहीं करते, बल्कि अपने कार्यस्थल को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने की जिम्मेदारी भी पूरी निष्ठा से निभाते हैं।बैकुंठपुर क्षेत्र का यह रेस्क्यू कार्यालय अब केवल एक प्रशासनिक भवन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और टीम भावना का जीवंत उदाहरण बन चुका है।निश्चित ही यह पहल न केवल बैकुंठपुर क्षेत्र बल्कि पूरे एसईसीएल परिवार के लिए प्रेरणास्रोत है। यदि इसी प्रकार प्रत्येक कार्यालय और संस्थान अपने परिसर को हरित और सुंदर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए, तो कार्यस्थल भी सकारात्मक ऊर्जा और प्रकृति के सौंदर्य से परिपूर्ण हो सकते हैं।

नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

रायपुर। राजधानी के पुरानीबस्ती थाना क्षेत्र अंतर्गत भांठागांव स्थित अवधपुरी में नीट की तैयारी कर रहे एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक छात्र ने दो मंजिला इमारत से गले में जीआई तार बांधकर छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान रायगढ़ निवासी पुष्पेंद्र पटेल के रूप में हुई है। वह भांठागांव में किराए के मकान में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। घटना के बाद वह फंदे पर लटका हुआ मिला, जिसे देख इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुरानीबस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। छात्र के इस कदम के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जर्जर सात नंबर रोड बना हादसों का कारण

भिलाई। औद्योगिक नगरी भिलाई में जेपी सीमेंट के सामने से प्लांट की ओर जाने वाला सात नंबर रोड इन दिनों गंभीर बदहाली का शिकार है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। यहां न तो पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था है और न ही किसी प्रकार की बैरिकेडिंग, जिससे खासकर रात के समय वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामला केनाल गेट के पास का है, जहां देर रात लोड लेने जा रही एक खाली ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में चालक को चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर गड्ढों और अधूरे निर्माण कार्य के चलते वाहन असंतुलित हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था होती।

नाइजीरियन छात्रों के कथित अश्लील वीडियो से बवाल

रायपुर। नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित एक रिहायशी परिसर से सामने आए एक कथित आपत्तिजनक वीडियो ने स्थानीय स्तर पर विवाद की स्थिति पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में कुछ युवक-युवतियों को पार्किंग क्षेत्र में अशोभनीय गतिविधियों में लिप्त बताया जा रहा है, जिसके बाद आसपास के निवासियों में नाराजगी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं से क्षेत्र का वातावरण प्रभावित हो रहा है और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित युवक-युवतियां विदेशी मूल के बताए जा रहे हैं, जिनमें कुछ अफ्रीकी देशों, विशेषकर नाइजीरिया से जुड़े छात्र शामिल होने की बात कही जा रही है। ये छात्र नया रायपुर के निजी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत बताए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब उन्हें इस तरह की गतिविधियों से रोका गया तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई और विवाद की नौबत आ गई। कुछ निवासियों ने यह भी आशंका जताई है कि इन छात्रों के संपर्क अवैध नशे के कारोबार से जुड़े लोगों से हो सकते हैं, हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से निगरानी बढ़ाने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पूरा मामला राखी थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

श्मशान घाट से शव का सिर गायब, अस्थि-संग्रह के दौरान खुला रहस्य, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। कबीर नगर थाना क्षेत्र के जरवाय श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के बाद अस्थि-संग्रह के लिए पहुंचे परिजनों को चिता स्थल पर शव का सिर नहीं मिला। इस घटना के बाद परिजनों में आक्रोश और भय का माहौल है, वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जरवाय निवासी शेखर यादव का हाल ही में विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। परंपरा के अनुसार अगले दिन परिजन अस्थियां एकत्र करने श्मशान घाट पहुंचे, लेकिन वहां का दृश्य देखकर सभी हैरान रह गए। परिजनों का कहना है कि चिता स्थल पर शव का सिर गायब था, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। घटना को लेकर परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी ने शरारत या किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि चिता के आसपास नींबू, सिंदूर और अन्य सामग्री बिखरी हुई थी, जिन्हें आमतौर पर तांत्रिक क्रियाओं से जोड़ा जाता है। इस वजह से मामले को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इसी बीच श्मशान परिसर में एक लावारिस बाइक भी खड़ी मिली, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार बाइक किसकी है और कब से वहां खड़ी है, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। सूचना मिलते ही कबीर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और श्मशान घाट के कर्मचारियों व आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से जुड़े सुराग मिल सकें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल, इस रहस्यमयी घटना ने शहर में चर्चा और दहशत का माहौल बना दिया है।

अज्ञात महिला की संदिग्ध मौत, चेहरे पर वार के निशान, हत्या की आशंका

डोंगरगढ़। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अछोली नाला में एक अज्ञात महिला का शव संदिग्ध हालत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। महिला का चेहरा किसी भारी वस्तु से बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाया गया है, जिससे प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डोंगरगढ़ पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी घटनास्थल पर बुलाया गया, जिन्होंने साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के क्षेत्र की गहन पड़ताल की। पुलिस के अनुसार, अब तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी है, जिससे जांच और चुनौतीपूर्ण हो गई है। आसपास के गांवों में गुमशुदगी के मामलों की जानकारी खंगाली जा रही है। साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि हत्या कहीं और कर शव को यहां लाकर फेंका गया है या वारदात स्थल यही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

भाजपा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिन पर जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया

भाजपा ने मुख्यमंत्री का जन्मदिन 'सेवा-सुशासन-संकल्प दिवस'' के रूप में मनाया

कोरिया बैकुण्ठपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल बैकुण्ठपुर द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला चिकित्सालय एवं वृद्धा आश्रम में फल वितरण किया। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मोत्सव के अवसर पर श्री साय के विजन 'सुशासन' को जन-जन तक पहुँचाना और अंतिम व्यक्ति की सेवा करना है। मुख्यमंत्री श्री साय के 62वें जन्मदिवस पर पार्टी कार्यकर्ता गरीब कल्याण और छत्तीसगढ़ की प्रगति के लिए स्वयं को समर्पित किया हैं। जिला महामंत्री पंकज गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित राज्य बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। किसान, महिला व युवा सहित हर वर्ग को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने कहा कि, भाजपा सरकार एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभ मिल रहा है। जिला मंत्री शारदा गुप्ता ने कहा कि, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए का आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है, साथ ही

महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला मंत्री शारदा गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक, महिला मोर्चा जिला मंत्री आंचल सिंह, मंडल महामंत्री रमन गुप्ता, रवि त्रिपाठी, अल्प संख्यक मोर्चा अरशद खान, स्वामीनाथ पटेल,संतोष राजवाड़े, हरिओम साहू,अभिनेन्द्र चंदेल, विकास दुबे सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिवस पर महिला मोर्चा द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरुकता के उद्देश्य से जीवनदायी पीपल एवं नीम के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान महिला मोर्चा की सभी कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रीता यादव, मंडल अध्यक्ष दीपा विश्वकर्मा, प्रदेश सोशल मीडिया सह प्रभारी रेनु सिंह, जिला उपाध्यक्ष संगीता गुप्ता, महामंत्री पुष्पा राजवाड़े, ममता कुशवाहा, जिला मंत्री आंचल सिंह परमार, मंडल अध्यक्ष कुसुम जायसवाल, पार्वती रजक, तोता रानी, सुनिता पैकरा, आशा काशी, संजू साहू, कमल यादव, पुष्पा पाल सहित महिला मोर्चा की कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

नशे में मिली पत्नी, नाराज पति ने डंडे से पीट कर दी हत्या

अवैध संबंध का संदेह करता था आरोपी

कोरबा। धर्मांतरित जनजाति समुदाय की महिला की जिंदगी पिछली रात उसके ही पति ने समाप्त कर दी। डंडे से पीट कर गीता बाई की हत्या फूल जेम्स ने की। आज सुबह बालको नगर पुलिस को इस बारे में जानकारी मिली जिस पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। प्रकरण दर्ज करने के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बालको नगर से 15 किलोमीटर दूर मूर्धबा में यह घटना हुई। यह स्थान परसाखोला के पास है। यहां पर अधिकांश जनजाति समुदाय की आबादी है और इनमें से कुछ कन्वर्टेड भी है। इन्हीं में शामिल गीता कवर 25 वर्ष की हत्या उसके पति फूल जेम्स 30 वर्ष के द्वारा कर दी गई। खबर के अनुसार फुल जेम्स काफी समय से गोवा में रहकर काम कर रहा था और कुछ दिन पहले अपने गांव लौटा था। जानकारी मिली कि अलग-अलग मसलों को लेकर पति-पत्नी में टकराव बना हुआ था और

पति अवैध संबंधों को लेकर पत्नी पर संदेह करता था।

इस तरह की जानकारी मिली है कि पिछली रात को मृतका गीता शराब के नशे में थी और मदहोश पड़ी थी। गांव के ही किसी व्यक्ति में इस बारे में उसके पति को फोन कर सूचना दी। कुछ देर के बाद पति यहां पहुंचा तो उसने पत्नी को दसवीं में पाया जिस पर उसका दिमाग सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्से से आग बबूला पति ने डंडे से पत्नी पर लगातार हमला बोला। कुछ देर के बाद ही पत्नी ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है की रात्रि 9:00 बजे से लेकर सुबह के मध्य यह घटना हुई। आज सुबह 8 बजे खबर होने पर बालको नगर पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। वहां का जायजा लिया गया तो गीता मृत स्थिति में पड़ी थी। आसपास के कुछ लोगों से पूछताछ करने पर प्रारंभिक जानकारी हासिल हुई। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के अंतर्गत पुलिस ने मर्ग पंचनामा किया और औपचारिकता पूरी की।

शुरुआती जांच में कई तरह के तथ्य आए सामने

बालकोनगर टीआई युवराज तिवारी ने बताया कि यद्यपि घटना स्थल की दूरी बालकोनगर से बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन रिमोर्ट एरिया होने के कारण मुश्किलें हैं। सड़क संपर्क के साथ-साथ नेटवर्क से जुड़ी दिक्कतें हैं। घटना की जानकारी होने पर पुलिस को यहां तक पहुंचने के लिए मशक्कत करनी पड़ी और कुछ दूर पदयात्रा भी करनी पड़ी। गीता की हत्या होने को लेकर पुलिस ने परिजनों और अन्य लोगों से पूछताछ की है। मुख्य रूप से मृतका के नशे में होने और उसके पति का संदेही आचरण शुरुआती कारण रहा है।

आरएसएस नगर से दादर खुर्द की रोड बनी समस्यामूलक

कोरबा। लोगों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर आरएसएस नगर से दाडर खुर्द को जाने वाली सड़क की दुर्गति कितने दिनों तक बनी रहेगी । इसके सुधार के लिए आखिर क्या प्लानिंग की गई है। इस पूरे रास्ते में छोटे-बड़े गड्ढे मौजूद हैं जो आवागमन को लेकर समस्या पैदा कर रहे हैं। पिछली बारिश से पहले से सड़क बदहाल थी और अब की स्थिति में यह और ज्यादा मुश्किल पैदा कर रही है। वर्तमान स्थिति में गाड़ियों के चलने से गुबार उड़ने के कारण समस्याएं और ज्यादा बढ़ रही है। इस तरफ लगातार लोगों की ओर से ध्यान आकर्षित करने का काम किया जा रहा है लेकिन ना तो नगर निगम का ध्यान है और नहीं प्रशासन का। लोगों ने सवाल उठाया है कि जब मुख्य मार्ग को परेशानी से मुक्त करने के लिए पैच वर्क हो सकते हैं तो दूसरे रास्तों की सुध लेने में आखिर दिक्कत क्या है। लोगों का आरोप है कि जिन इलाकों में आंदोलन जैसी स्थिति नहीं बन रही है उन्हें उपेक्षित कर दिया गया है।

आंदोलन को लेकर ब्लॉकों में तैयारी शुरू

कोरबा। मनरेगा को लेकर कांग्रेस के द्वारा कल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए ब्लॉकों में तैयारी शुरू हो गई है। सभी क्षेत्रों में तैयारियों के लिए जिम्मेदारी दे दी गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कल कोसाबाड़ी में जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। यहां से रैली निकालते हुए ज्ञापन भी कार्यकर्ताओं के द्वारा सौंपा जाएगा। इसके लिए अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र में पूर्व विधायक मोहित केरकेट्टा, हरदीबाजार दीपका में पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, दिलीप सिंह, विशाल शुक्ला, कटघोरा ग्रामीण में हरीश परसाई, गोरेलाल यादव, लक्ष्मी कंवर, नंदकुमार देवांगन, विनय दुबे, जीवन यादव को जिम्मेदारी दी गई है। ब्लॉकों में भी तैयारियां शुरू हो गई है। बांकीमोंगरा में संजय आजाद, यशवंत कंवर, धनंजय दीवान के द्वारा बैठक ली जा रही है। जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज चौहान ने बताया कि पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश मानिकपुरी, अनुसूचित विभाग के नारायण कुर्रे, महिला कांग्रेस की प्रभा तंवर, भुवनेश्वरी दास के द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है।

पनिका अध्यक्ष व सोनी महामंत्री बने

कोरबा। एसईकेएमसी का कार्यकर्ता सम्मेलन कल विकास नगर में आयोजित किया गया। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में कुसमुंडा एरिया के लिए बृजलाल पनिका को अध्यक्ष व राजू सोनी को महामंत्री बनाया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह के द्वारा क्षेत्रीय पदाधिकारियों का शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सतीश सिंह, रामकुमार कौशिक, संदीप चौधरी, डीके मिश्रा, छंदराम राठौर, विकास शुक्ला, एमपी सिंह, दिलीप सिंह, एनके सिंह सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे। केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह ने नए पदाधिकारियों से कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए अभी से ही जुट जावें। सदस्यता अभियान भी होने वाला है। इस बार अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को जोड़ना होगा।

अब आंगनबाड़ी में भी तीन घंटे क्लास लेनी पड़ेगी शिक्षकों को

डाइट में इसके लिए दिया गया प्रशिक्षण

कोरबा। जिले में सरकारी शिक्षकों की क्षमता का भरपूर उपयोग करने की मानसिकता बना ली गई है। प्रदेश के साथ इस जिले में अब शिक्षकों को अपने स्कूल में 6 घंटे और नजदीकी आंगनबाड़ी में 3 घंटे क्लास लेनी पड़ेगी। आंगनबाड़ियों के बच्चों को शिक्षण के मामले में मजबूत करने का इरादा है। लेकिन इस व्यवस्था से शिक्षकों की परेशानी बढ़ गई है।

संकुल के बाद शिक्षकों को जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) विशेष रूप से तीन दिन का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें एक या दो-दो विकासखंड से ऐसे शिक्षकों को चयनित किया गया। जिनके यहां आंगनबाड़ी संचालित हैं। स्कूल से आंगनबाड़ी की नजदीकी को इसका आधार बनाया गया है। इस व्यवस्था में वे स्कूल के शिक्षक शामिल नहीं किए गए हैं जिनके आसपास में ऐसे केंद्र नहीं हैं। अंतिम चरण में 120 शिक्षकों को डाइट में कई सत्र में इस विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। 20 से 22 फरवरी को इस प्रशिक्षण का आयोजन स्थानीय डाइट में किया गया। खबर के अनुसार अपने स्कूलों में शिक्षकों को 6 घंटे तो देना ही है इसके अलावा तीन घंटे की सेवाएं पास की आंगनबाड़ी में भी देना ही होगा। इसके अंतर्गत वे बच्चों को सामान्य शिक्षण से जोड़ेंगे। खेल-खेल में सिखाने की तकनीक पर विशेष रूप से काम किया जाना है। फ्रेंडली माहौल में बच्चे कैसे सीखते हैं इसका विशेष ध्यान रखा जाना है। मास्टर ट्रेनर्स की ओर से तीन दिन के प्रशिक्षण में शिक्षकों को ऐसे ही अनेक बिंदुओं के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान उनसे यह भी जानकारी ली गई कि इससे

पूर्व संकुल स्तर पर मिले प्रशिक्षण से उन्होंने क्या कुछ सीखा और इसका कितना लाभ मिला। खबर के अनुसार तीन दिवसीय प्रशिक्षण के बाद आगे की कार्ययोजना तय होगी और इसके बाद ही प्रशिक्षित शिक्षक अपने अतिरिक्त काम में भी जुड़ेंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें अलग से कोई मानदेय नहीं मिलना है।

कई परेशानियां आएंगीं बताया शिक्षकों ने

सरकार के निर्देश पर व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भले ही शिक्षकों को प्रशिक्षण दे दिया गया है और काम बता दिया गया है। लेकिन उनसे जुड़ी समस्याओं का समाधान किसी के पास नहीं है। बताया गया कि प्रशिक्षण के अंतर्गत शिक्षकों की ओर से ऐसे कई सवाल किए गए जिनका जवाब किसी के पास नहीं था। अधिकारियों को बताया गया कि अनेक स्कूलों में केवल दो ही शिक्षक हैं, इनमें एक प्रधान पाठक और दूसरा एक सहायक शिक्षक है। कार्यालयीन कामकाज को लेकर प्रधान पाठक बाहर रहते हैं तो पूरा जिम्मा सहायक शिक्षक का होता है। ऐसी स्थिति में दोहरी जिम्मेदारियां कैसे निभाई जा सकेंगी।

होली के आयोजन को लेकर महिला मंडल ने की बैठक

कोरबा। होलिका दहन और रंगोत्सव के आयोजन को लेकर शारदा विहार में महिला मंडल ने वंडर कॉटेज स्कूल में बैठक की। इस मौके पर विचार किया गया कि शारदा विहार कॉलोनी के गार्डन में आयोजन होगा। इसमें केवल इसी क्षेत्र की बालिकाओं और महिलाओं की भागीदारी हो सकेगी। 3 घंटे का समय पूरे आयोजन को लेकर सुनिश्चित किया गया है जिसमें सामान्य प्रतियोगिताएं रखी गई है। विभिन्न जिम्मेदारियां अलग-अलग समूह को सौंपी गई। सहमति से ऐसे कार्यों को संपन्न कराया जाएगा।

हुड़दंग पर कार्रवाई

कोरबा। हरदीबाजार पुलिस थाना में होली को लेकर शांति समिति की बैठक ली। इसमें साफ तौर पर कहा गया कि फिजुल के हुड़दंग पर कार्रवाई की जाएगी।

सीएमडी को भरोसा, एसईसीएल के आईपीओ को मिलेगा अच्छा प्रतिषाद

कोरबा। कोल इंडिया की दूसरी बड़ी कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की इस साल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग की संभावना है। एसईसीएल के सीएमडी ने भरोसा जताया है कि एसईसीएल के आईपीओ का भी अच्छा प्रतिसाद मिलेगा।

एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन ने कहा कि हाल ही में बीसीसीएल के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग को देखें तो उसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। एसईसीएल का कोयला रिज़र्व और ग्रेड, रिसोर्स और कंपनी के सेंट्रल इंडिया में होने के कारण कस्टमर पूरे देश में हैं। इस लिहाज से एसईसीएल का आईपीओ आता है तो इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा, इसकी पूरी उम्मीद है।

एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन ने कहा कि से जो कैपिटल आएगा, उसका इस्तेमाल मौजूदा प्रोजेक्ट्स को बढ़ाने, नई टेक्नोलॉजी और ज़मीन खरीदने में किया जाएगा। इसका एक बड़ा हिस्सा डायवर्सिफिकेशन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

श्री दुहन ने बताया कि आने वाले समय में एसईसीएल सिर्फ़ कोयला बनाने वाली कंपनी नहीं होगी, बल्कि एक इंटीग्रेटेड एनर्जी कंपनी होगी। इसी विज़न के साथ आईपीओ लाने की तैयारी है। यहां बताना होगा कि इस साल की शुरुआत में, जनवरी में, कोल इंडिया की सब्सिडियरी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड ने 96 प्रतिशत प्रीमियम पर शेयर मार्केट में डेब्यू किया था। एसईसीएल को पिछले साल दिसंबर में पेरेंट कंपनी से स्टॉक एक्सचेंज में एंट्री के लिए इन-प्रिंसिपल मंज़ूरी मिल गई थी। एसईसीएल के साथ ही महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड को भी लिस्टिंग कराने की तैयारी है।

बालको अस्पताल में कीमोथेरिपी की सुविधा जल्द, नहीं लगाने पड़ेंगे रायपुर के चक्कर

कैंसर की दवाओं पर भी बंपर डिस्काउंट

कोरबा। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी), रायपुर ने बालको अस्पताल परिसर में अपनी नई फार्मेसी का विधिवत शुभारंभ किया ।

इस नई फार्मेसी का उद्घाटन बीएमसी रायपुर की निदेशक डॉ. भावना सिरोही द्वारा किया गया। इस गरिमामय अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सक अधिकारी डॉ. विवेक सिंहा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस विस्तार की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि बीएमसी रायपुर जल्द ही बालको अस्पताल में कीमोथेरेपी डे-केयर सपोर्ट सुविधा शुरू करने जा रहा है। यह कोरबा जिले में अपनी तरह की पहली ऐसी चिकित्सा सुविधा

होग।कैंसर उपचार से संबंधित कीमोथेरेपी और अन्य विशेष दवाइयाँ इसी नई फार्मेसी में रियायती दरों पर उपलब्ध होंगी। मरीजों को अब उपचार के दौरान दवाओं के लिए अन्यत्र भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। बीएमसी की निदेशक डॉ. भावना सिरोही ने बताया कि इस सुविधा के शुरू होने से स्थानीय मरीजों को इलाज के लिए रायपुर जैसे बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे मरीजों के समय और धन दोनों की बचत होगी और उपचार भी समय पर संभव हो सकेगा।

कुदमुरा में दंतैल की दस्तक से मचा हड़कप

कोरबा। जिले के कुदमुरा वन परिक्षेत्र में एक बार फिर दंतैल हाथी के दस्तक से हड़कंप मच गया है। बीती रात धरमजयगढ़ वन परिक्षेत्र के हाटी क्षेत्र से अचानक धमके दंतैल की सूचना मिलते ही वन विभाग अलर्ट हो गया है और दंतैल की मौजूदगी वाले जंगल के कक्ष क्रमांक 1139 के आसपास स्थित गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क करने का अभियान शुरू कर दिया गया है। दंतैल हाथी ने यहां पहुंचते ही फिलहाल बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया है लेकिन इसकी संभावना बनी हुई है। उधर कटघोरा वनमंडल के जटगा

रेंज में 48 हाथियों की मौजूदगी लगातार बनी हुई है। हाथियों का यह दल क्षेत्र में स्थित पहाड़ पर डेरा डाले हुए है। हाथियों को यहां का वातावरण बेहद पसंद आ गया है अत: पहाड़ से नीचे उतरने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। बताया जाता है कि हाथियों को यहां पर पर्याप्त चारा व पानी मिल रहा है।

अमानक खाद्य पदार्थों के सेंपल लेगा विभाग

कोरबा। होली त्यौहार को देखते हुए एक बार फिर फूड सेफ्टी डिपार्मेंट खाद्य पदार्थ के सैंपल लेने की तैयारी कर रहा है। अक्सर फेस्टिवल सीजन में विभाग नींद से जागता है और यहां वहां से सैंपल लेने के साथ उसे जांच के लिए भेजता है। इस तरह की आशंका रहती है कि फेस्टिवल सीजन में बड़ी मात्रा में बनाए जाने वाले स्वीट और साल्टी आइटम में मिलावट हो सकती है और यह जन स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

12.45 मीटर भाला फेंक नीलिमा ने जीता स्वर्ण पदक

कोरबा। 45वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कोरबा की प्रतिभागी नीलिमा दास ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भाला फेंक (जेवेलिन थ्रो) स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने 65 प्लस आयु वर्ग में 12. 45 मीटर तक भाला फेंक कर अग्रणी स्थान बनाया।

हाल में ही यह आयोजन एमपी जबलपुर के गोकलपुर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान में हुआ। इंडिया मास्टर्स एथलेटिक्स ने आइजन किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया। 65 वर्ष आयु वर्ग में महिलाओं की जेवेलिन स्पर्धा में नीलिमा दास ने सर्वाधिक दूरी तय की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रमाण-पत्र एवं स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। नीलिमा की इस उपलब्धि से कोरबा व छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमका। 67 वर्षीय नीलिमा दास ने नियमित अभ्यास, दृढ़ संकल्प और परिवार के सहयोग को सफलता का आधार बताया। वे कहती हैं कि उम्र केवल एक संख्या है, यदि मन में उत्साह और

आत्मविश्वास हो तो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। खेल प्रेमियों एवं शुभचिंतकों ने सफलता पर उन्हें बधाई दी।

जुड़ सकते हैं लोग

नीलिमा दास ने बताया की इंडिया मास्टर्स एथलीट्स सीनियर सिटीजंस को खेलकूद के माध्यम से सक्रिय रखने वाला संगठन है। 30 से लेकर 100 वर्ष के लोग भी इसमें जुड़ सकते हैं। क्षेत्र की सीमाओं को इसमें परे रखा गया है। कोरबा क्षेत्र के इच्छुक लोग इस संगठन से जुड़ने के लिए 8349001762 पर सम्पर्क कर सकते है।

बीकेकेएमएस की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन कोरबा कुसमुंडा क्षेत्र की बैठक में निर्णय लिया गया कि महिला दिवस मनाने के लिए जोरदार तैयारी करें। इसके अलावा सदस्यता अभियान पर भी चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष हिरेंद्र चंद्रा, महामंत्री रंजय सिंह, शैलेंद्र सिंह, संजय सिंह, राजेंद्र यादव, बाबूलाल चंद्रा, उत्तम कुलदीप, भुवनेश्वर कश्यप सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे। गेवरा, दीपका क्षेत्र के भी कार्यकर्ताओं की बैठक अलग से हुई है। जिसमें कोयला कामगारों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में रमेश गुरुद्वान, अरूण सिंह, प्रीतम राठौर, चंद्रशेखर राठौर, मदन सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

होली नजदीक पर नगाड़ों की मांग सामान्य

कोरबा। होली को एक सप्ताह का समय रह गया है और इधर नगाड़ों की मांग सामान्य बनी हुई है। सीतामणी और कोहड़िया क्षेत्र में चर्म आधारित काम करने वाला वर्ग नगाड़े तैयार कर रहा है। इसमें अलग-अलग साइज शामिल हैं। इक्का-दुक्का स्थान पर इनकी दुकानें लगी है लेकिन सुबह से शाम तक ग्राहकों का इंतजार करना पेशेवरों के लिए मुसीबत बन रहा है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों से नगाड़े बनते ज्यादा हैं लेकिन बिक्री कम होती है। ऐसे में मेहनत का फल भी नहीं मिल पाता।

खोमचा वालों की हरकतों ने मुश्किलें बढ़ाई महानदी काम्प्लेक्स के कारोबारियों की

कोरबा। स्वच्छता महा संकल्प के साथ कोरबा का नाम गोल्डन बुक का रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है लेकिन इससे बहुत से लोगों को मतलब नहीं है। महानदी परिसर के सामने ठेले गुमटी लगने और मौके पर गन्दगी फैलाने से स्वच्छता अभियान पर पलीता लग रहा है। और तो और कुछ लोगों के द्वारा समझाइश देने पर उन्हें ही उल्टे धमकी मिल रही है।

महानदी परिसर वयवसायी संघ ने समस्या को लेकर आयुक्त और महापौर के पास शिकायत की। उन्हें बताया गया कि अवैध रूप से हो रहे इस कारोबार के कारण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं और हमारी दुकानों के सामने भी परेशानियां है। घटा रात्रि शिकायत पर संज्ञान लेने के साथ आयुक्त ने इस इलाके का जायजा लिया। खबर के अनुसार आयुक्त के जाने के बाद ही यहां फिर से खोमचा और अन्य ठेले आ गए। व्यावसायिक संघ के द्वारा बताया गया कि इस तरह की हरकत करने पर जब उन्हें रोका टोका गया तो उनका कहना होता है कि किसमे हिम्मत है जो उन्हें हटा सके। एक सिंडिकेट

के तौर पर इस तरह की दुकान है कोरबा में लग रही है और यह उल्टे उन कारोबारियों पर दबाब बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जो नगर निगम के करदाता हैं। व्यवसायी संघ ने अधिकारियों से कहा है कि स्वच्छता अभियान पर प्रशन चिन्ह खड़े करने वाले सभी ठेलों को सड़क के किनारे से हटाने का इंतजाम किया जाए

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com